घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर,वर्ष 23, अंक - 21- सोमवार 23- नवम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये** RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

गुजरात में दो सड़क हादसों में 10 मौतें

7 मृतक सेना के जवानों के परिवारों से थे,स्विफ्ट में आग से 3 जिंदा जले,इन्फ्लुएंसर बची

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2026। गुजरात में शनिवार रात और रविवार सुबह दो सड़क हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा कच्छ में हुआ, जहां ट्रक और कार की टक्कर में 7 लोगों की जान चली गई। हादसा इतना भयानक था कि कार दो हिस्सों में बंट गई। दूसरा हादसा केशोद-बालागाम रोड पर हुआ। जूनागढ़ से माधवपुर जा रही तेज रफ्तार स्विफ्ट कार मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई और उसमें आग लग गई। कार में सवार चार में से तीन लोगों की जलकर मौत हो गई। इन्फ्लुएंसर कृष्णा चूड़ासमा शीशा टूटने के बाद बाहर गिरीं, जिससे जान बच गई।



कच्छ : मरने वाले लोग सेना के जवानों के परिजन थे...

कच्छ में हादसा शनिवार रात करीब 10 बजे हुआ। ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर हुई। कार में सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। इनमें एक बच्चा सिर्फ तीन महीने का था। सभी मृतक उत्तराखंड के गढ़वाल के रहने वाले थे और भुज में तैनात सेना के जवानों के परिवारों से थे। वे रण ऑफ कच्छ घूमकर भुज लौट रहे थे, तभी नेशनल हाईवे पर हादसा हो गया।

कार के मलबे में फंसे शव,निकालने में लगे कई घंटे

टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसमें फंसे शवों को बाहर निकालने में बचाव दल को कई घंटे लगे। मृतकों की पहचान सौरभ सिंह नेगी (30), उनकी पत्नी सविता (30) और उनकी तीन महीने की बेटी शिविका के रूप में हुई है। इनके अलावा राजेश सिंह रावत (35), उनकी सात साल की बेटी रक्षित, रिंकी गोसाई (30) और उनकी चार साल की बेटी वामिका की भी मौत हुई है।

जूनागढ़ : केशोद में स्विफ्ट कार पलटी,आग लगने से 3 की मौत

वहीं, रविवार सुबह करीब 5 बजे केशोद-बालागाम रोड पर घामिडाना गांव के पास लाल रंग की स्विफ्ट कार हादसे का शिकार हो गई। कार तेज रफ्तार के कारण मोड़ पर सड़क किनारे पत्थर से टकराकर पलट गई और उसमें आग लग गई। कार में दो महिलाओं और दो पुरुषों समेत चार लोग सवार थे। इनमें से दो पुरुषों और एक महिला की जलने से मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान नंदनी पोपट, डेनिस दिवराणिया और झलक मशरू के रूप में हुई है। तीनों की उम्र करीब 25 से 27 साल थी।

कार की आगे वाली सीट पर बैठी थीं इन्फ्लुएंसर

हादसे में इन्फ्लुएंसर कृष्णा चूड़ासमा बच गईं। बताया गया कि वह कार की आगे वाली सीट पर बैठी थीं। टक्कर के दौरान कार का शीशा टूटने से वह बाहर उछलकर पास के खेत में जा गिरीं। इसके बाद उन्हें एंबुलेंस से केशोद के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, इमरजेंसी 112 और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आग बुझाई, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी।



पीएम ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख मदद का ऐलान किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के कच्छ में हुए सड़क हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया है। मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए दिए जाएंगे। वहीं, घायलों को 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद मिलेगी।

खाटूश्याम से लौट रहे महाराष्ट्र के एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत

कोटा,22 नवम्बर 2026। कोटा-उदयपुर नेशनल हाइवे पर शंभूपुरा गांव के पास सड़क हादसे में महाराष्ट्र के एक ही परिवार के नौ सदस्यों की जान चली गई। हादसे में कई लोग घायल हो गए। घटना नांता थाना क्षेत्र में हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल पहुंचे। सिटी एसपी तेजस्वनी गौतम ने बचाव कार्य की निगरानी की। पुलिस के अनुसार, क्रूजर में महाराष्ट्र के धुले जिले के एक ही परिवार के 16 सदस्य यात्रा कर रहे थे। परिवार धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए मंगलवार को महाराष्ट्र से रवाना हुआ। श्रद्धालुओं ने पहले मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर और फिर राजस्थान के पुष्कर व खाटूश्यामजी में दर्शन किए।

सभी लोग वापस अपने घर लौट रहे थे। हादसे में क्रूजर सवार आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल माधवी को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. आशुतोष शर्मा के अनुसार, घायलों को अस्पताल लाया गया है। गंभीर रूप से घायल मनीषा को वेंटिलेटर पर रखा गया है। मृतकों की पहचान उषा बाई, सुशीला (55), कैलाश (45), सांवी, सज्जन, अनीता, बाबूलाल (60), जाह्नवी (13) और माधवी के रूप में हुई है। एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। घायलों में जगदीश (10), मयूरी पवार (20), मनीषा पवार (45), शरद पवार (46), गणेश पवार (30), सृजेत (3) और ट्रक चालक हारून (43) शामिल हैं। इनका न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है।

दुर्घटनाग्रस्त क्रूजर के पीछे दूसरे वाहन में सफर कर रहे प्रदीप ने बताया कि परिवार के सभी 36 सदस्य तीन गाड़ियों में धार्मिक यात्रा पर निकले थे। खाटूश्यामजी से दर्शन करने के बाद शनिवार रात महाराष्ट्र के लिए रवाना हुए। प्रदीप के मुताबिक, रास्ते में सभी गाड़ियां एक-दूसरे के आसपास चल रही थीं। अचानक आगे चल रही क्रूजर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गाड़ी में सवार लोगों की संख्या को लेकर अधिकारियों के आंकड़े अलग हैं।



राष्ट्रपति ने राजस्थान में सड़क हादसे पर दुख जताया



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राजस्थान के कोटा-उदयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शंभूपुरा गांव के पास शनिवार और रविवार की दरमियानी रात एक बजे सड़क हादसे पर गहरा दुख जताया। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, कोटा में हुई सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। मैं मृतकों के परिवारजनों के प्रति गहन शोक संवेदना व्यक्त करती हूं तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। उल्लेखनीय है कि इस हादसे में महाराष्ट्र के एक ही परिवार के नौ सदस्यों की जान चली गई। हादसे में कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि क्रूजर में महाराष्ट्र के धुले जिले के एक ही परिवार के 16 सदस्य यात्रा कर रहे थे। परिवार धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए मंगलवार को महाराष्ट्र से रवाना हुआ।

अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण समृद्धि के नए युग की ओर अग्रसर : अमित शाह

ईटानगर,22 नवम्बर 2026। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण समृद्धि के एक नए युग की ओर बढ़ रहा है। सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाने से राज्य के किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए आर्थिक विकास एवं रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। अमित शाह रविवार को ईटानगर स्थित दोरजी खांडू कन्वेंशन हॉल में आयोजित 'सहकारिता समारोह' को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के लिए 'सहकारिता विजन डॉक्यूमेंट 2047' जारी किया। साथ ही राज्य में कुल 5,610 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इन पहलों को राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों,शिक्षा,बिजली,सड़क और सीमावर्ती इलाकों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। इससे किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त करने,युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने में मदद मिलेगी। सहकारी संस्थाओं के विस्तार से गांवों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकेगा। समारोह में अमित शाह ने राज्य के लिए घोषित 5,610 करोड़ की विकास परियोजनाओं



की शुरुआत की। इनमें 'मिशन शिक्षित अरुणाचल-चरण II', बिजली क्षेत्र के विकास, ग्रामीण सड़क संपर्क को मजबूत करने और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा राज्य के 11 सीमावर्ती जिलों में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत 199 परियोजनाओं की भी शुरुआत की गई। इन परियोजनाओं का उद्देश्य सीमावर्ती गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना और वहां रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। ग्रामीण सड़कों और बिजली सुविधाओं के विकास से दूरदराज के क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में भी सहायता मिलेगी। 'मिशन शिक्षित अरुणाचल-चरण II' के माध्यम से राज्य में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। वहीं बिजली विकास परियोजनाओं से ऊर्जा सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में अमित शाह ने बेहतर प्रदर्शन करने वाली चार सहकारी समितियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

हिमालय की तरह अडिग और गंगा की तरह निरंतर तीसरी बार प्रवाहमान रहेगी भाजपा सरकार : राजनाथ सिंह

हरिद्वार,22 नवम्बर 2026। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार बनने का भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार हिमालय की तरह अडिग और गंगा की तरह निरंतर प्रवाहमान रहेगी। उत्तराखंड में भाजपा का संगठन देवदार के वृक्ष की तरह मजबूत है। कार्यकर्ताओं का उत्साह और जनता का पार्टी के प्रति विश्वास तीसरी बार भी प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने का आधार बनेगा। हरिद्वार स्थित प्रेम नगर आश्रम में रविवार को भाजपा की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक के समापन सत्र को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि यह बैठक केवल संगठनात्मक आयोजन नहीं, बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव में पहले से अधिक बहुमत के साथ सरकार बनाने का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि भाजपा उत्तराखंड की अस्मिता, संस्कृति और विकास की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तराखंड के कार्यकर्ताओं के प्रति उनके मन में श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में उन्हें कार्यकर्ताओं के साथ काम करने का अवसर मिला है। आज उन्हीं कार्यकर्ताओं के परिश्रम से संगठन का विस्तार हुआ है और बड़ी संख्या में नए लोग पार्टी से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की चुनावी सफलताओं के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व, विकास कार्य,जनकल्याण की भावना और कार्यकर्ताओं की मेहनत है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा की असली ताकत सरकार नहीं,बल्कि उसका मजबूत संगठन है। संगठन को जीवंत बनाए रखने के लिए निरंतर संवाद और कार्यकर्ताओं से संपर्क जरूरी है। भाजपा केवल चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि देश और प्रदेश को बदलने के उद्देश्य से काम करती है। सत्ता रहे या न रहे, पार्टी राष्ट्रहित और जनहित के मुद्दों पर अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगी। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक देश में दो प्रधान,दो विधान और दो निशान नहीं चलने देने के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा उसी वैचारिक धारा को आगे बढ़ा रही है। पार्टी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और राष्ट्र प्रथम के विचारों से प्रेरित है। समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचना ही सरकार की सफलता का वास्तविक पैमाना होना चाहिए।



कार्यकर्ताओं को दिए संगठन मजबूती के नौ मंत्र

राजनाथ सिंह ने कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती के लिए नौ मंत्र दिए। उन्होंने निरंतर संगठनात्मक संवाद बनाए रखने, जनता का भरोसा जीतने,डिजिटल माध्यमों से जनसंपर्क बढ़ाने, व्यक्तिगत हमलों से बचने,युवाओं को संगठन से जोड़ने, विपक्ष के आरोपों का तथ्यों के आधार पर जवाब देने,सरकार की उपलब्धियां घर-घर पहुंचाने, नैतिकता और अनुशासन बनाए रखने तथा आपसी एकजुटता को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को मंत्री या विधायक बनने के बाद संगठन से और अधिक जुड़ना चाहिए।

उत्तराखंड सरकार के कामकाज की सराहना

रक्षा मंत्री ने उत्तराखंड सरकार के कामकाज की सराहना करते हुए समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून,निवेश,रोजगार,स्टार्टअप,अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई और चारधाम विकास कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पूर्ण साक्षर राज्य बना है और समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। उन्होंने केदारनाथ पुनर्निर्माण, बदरीनाथ मास्टर प्लान और चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को प्रदेश की महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया।

दार्जिलिंग पहुंचे केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

कहा...फिर विश्व में धाक जमाएगी दार्जिलिंग चाय

सिलीगुड़ी,22 नवम्बर 2026। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने के बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल रविवार को दार्जिलिंग दौरे पर पहुंचे। बागडोगरा हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उन्होंने पश्चिम बंगाल की जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता विकास चाहती है और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बंगाल को प्रगति के रास्ते पर ले जाने का काम किया जा रहा है। पीयूष गोयल ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगातार औद्योगिक निवेश की संभावनाएं बढ़ रही हैं। अब देशभर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोगों का ध्यान बंगाल की ओर आकर्षित हो रहा है। राज्य में व्यापार और उद्योग का विकास हो रहा है तथा लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए शुभेंदु अधिकारी की सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अपने दौरे के दौरान वह चाय बागानों से जुड़े लोगों से मुलाकात करेंगे। उन्हें विश्वास है कि ममता बनर्जी के कार्यकाल में लंबित पड़े कार्यों में अब तेजी आएगी। दार्जिलिंग चाय की गुणवत्ता और इसकी पुरानी पहचान का जिक्र करते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में दार्जिलिंग चाय एक बार फिर विश्व बाजार में अपनी पहचान और प्रतिष्ठा स्थापित करेगी।



सनातन को बाहरी ही नहीं,भीतरी शक्तियों से भी खतरा : स्वामी रामदेव

पूर्वी सिंहभूम,22 नवम्बर 2026। जमशेदपुर के सिदगोड़ा स्थित एग्रिको मैदान में रविवार को आयोजित पतंजलि योग समिति के प्रांतीय महिला सम्मेलन में योग गुरु स्वामी रामदेव ने योग,स्वस्थ जीवनशैली और सनातन धर्म से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि सनातन को बाहरी शक्तियों से जितना खतरा है,उतना ही खतरा भीतरी शक्तियों से भी है। अधकचरे ज्ञान से सनातन को सबसे अधिक नुकसान पहुंचता है। सनातन किसी व्यक्ति, संस्था या समूह की संपत्ति नहीं है और न ही कोई इसका ठेकेदार है। सनातन था, है और आगे भी रहेगा। सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिलाएं, पतंजलि योग समिति के पदाधिकारी और स्वयंसेवक शामिल हुए। स्वामी रामदेव ने लोगों से नियमित योगाभ्यास को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का भी आधार है।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त व्यावहारिक जानकारियां श्रम संहिताओं के प्रभावी जमीनी-स्तर के कार्यान्वयन को गति देंगी : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली,22 नवम्बर 2026। श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुजरात के गांधीनगर में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम एवं रोजगार मंत्रियों के दो दिवसीय चिंतन शिविर के दूसरे दिन भारत के श्रम एवं रोजगार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से कई तरह की पहलों का शुभारंभ किया। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 21-22 नवंबर, 2026 को आयोजित इस सम्मेलन में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे के साथ-साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम एवं रोजगार मंत्री तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। डॉ. मनसुख मांडविया ने ई-श्रम आजीविका प्रोफाइल मॉड्यूल के साथ-साथ वॉयस बॉट, चैट बॉट और व्यावसायिक कमी सूचकांक (ओएसआई) जैसी नई सुविधाओं वाले राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) वन पोर्टल का औपचारिक शुभारंभ किया। राष्ट्रीय करिअर सेवा (एनसीएस) ओपन नेटवर्क फॉर एम्प्लॉयमेंट (वन) पोर्टल नौकरी चाहने वालों के ऐप, नियोक्ताओं के ऐप, राज्य रोजगार पोर्टलों, निजी जॉब प्लेटफॉर्म और शैक्षणिक परिसरों को आपस में जोड़ता है, जबकि व्यावसायिक कमी सूचकांक (ओएसआई) श्रम बाजार में मांग और आपूर्ति के बीच की कमियों का आकलन करने के लिए एक डेटा-आधारित उपकरण है। ओएसआई नौकरी चाहने वालों को सोच-समझकर करिअर संबंधी विकल्प चुनने,नियोक्ताओं को कमी वाले क्षेत्रों की पहचान करने और भर्ती की योजना बनाने,शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों को



उद्योग की मांग के अनुरूप कौशल विकास, पुनःकौशल विकास और कौशल उन्नयन को संरेखित करने तथा नीति निर्माताओं को लक्षित रोजगार एवं कौशल विकास संबंधी हस्तक्षेप करने में मदद करेगा।

ई-श्रम आजीविका प्रोफाइल में श्रमिक की आजीविका संबंधी जानकारी के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा के पांच आवश्यक संरक्षणों (पंच सुरक्षा) का विवरण दर्ज किया जाता है। इनमें खाद्य सुरक्षा,स्वास्थ्य सुरक्षा,जीवन बीमा, दुर्घटना एवं दिव्यांगता से सुरक्षा और पेंशन सुरक्षा शामिल हैं। मंत्रालय की करिअर लाउंज पहल के महत्वपूर्ण विस्तार के तहत,केंद्रीय मंत्री ने जयपुर, लुधियाना,भुवनेश्वर,कानपुर,बेंगलुरु,वाराणसी, हैदराबाद और गुवाहाटी में आठ करिअर लाउंज का वर्चुअल शुभारंभ किया। राष्ट्रीय करिअर सेवा (एनसीएस) ढांचे के तहत मॉडल करिअर केंद्रों (एमसीसी) के रणनीतिक विस्तार के रूप में करियर लाउंज स्थापित किए जा रहे हैं। उद्योग भागीदारों के सहयोग से,विशेष रूप से टियर-II और टियर-III शहरों में रोजगार कार्यालयों, विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में 200 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। करिअर लाउंज में करिअर मार्गदर्शन,कौशल एवं अभिरुचि आकलन,मार्गदर्शन,रोजगारपरक प्रशिक्षण, उद्योग जगत के साथ संवाद,इंटर्नशिप,अप्रेंटिसशिप और प्लेसमेंट सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इनके माध्यम से अंतरराष्ट्रीय रोजगार अवसरों, वैश्विक श्रम बाजार के रुझानों,अंतरराष्ट्रीय कौशल आवश्यकताओं और व्यावसायिक मानकों की जानकारी भी दी जाएगी। इसमें भाषा संबंधी तैयारी और विभिन्न संस्कृतियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की तैयारी भी शामिल होगी।

इससे भारत के युवाओं की वैश्विक रोजगार क्षमता बढ़ेगी और उन्हें घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय श्रम बाजारों में उभरते अवसरों से जोड़ा जा सकेगा। डॉ. मनसुख मांडविया ने इस अवसर पर दो प्रकाशनों का भी विमोचन किया। ये हैं- एडेंडम टु द नेशनल क्लासिफिकेशन ऑफ ऑक्युपेशंस (एनसीओ-2015) और कंपाइलेशन ऑफ एग्जिस्टिंग एंड इमर्जिंग ग्रीन ऑक्युपेशंस। अपने समापन संबोधन में केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि दो दिवसीय चिंतन शिविर में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के व्यावहारिक सुझावों, जमीनी अनुभवों और नीतिगत दृष्टिकोणों की विस्तृत श्रृंखला सामने आई।

तमिलनाडु में भीषण सड़क हादसा

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार वैन,5 लोगों की मौके पर ही मौत,कई घायल...



चेन्नई,22 नवम्बर 2026। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मुसिरी के पास यात्रियों से भरी एक वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नीम के पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और उन्हें इलाज के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के मुताबिक, वाहन अचानक सड़क से उतरकर पेड़ से जा टकराया था। यह दुर्घटना तिरुचिरापल्ली जिले में थुरैयूर-मुसिरी मार्ग पर जम्बुनाथपुरम के पास हुई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, वैन सड़क पर चलते समय अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे नीम के पेड़ से टकरा गई। टक्कर का असर इतना गंभीर था कि वैन में बैठे पांच लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में कई अन्य यात्रियों को चोटें आई हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने घायलों की मदद की। उन्हें तत्काल नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हालांकि, घायलों की सही संख्या और उनकी स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वैन में सवार लोग नमक्कल जिले में एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने गए थे।

संपादकीय

आपत्तिजनक हरकत

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने नेताओं के इंस्टाग्राम अकाउंट निलंबित करने का आरोप लगाते हुए मेटा के हैदराबाद,मुंबई और गुरुग्राम के कार्यालयों में जो तोड़फोड़ और हंगामा किया,वह अराजकता का प्रदर्शन ही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मानें तो यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय प्रभारी के इंस्टाग्राम अकाउंट मनमाने ढंग से निलंबित कर दिए गए और यह काम भाजपा सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दबाव में किया गया। यह हास्यास्पद है,क्योंकि इस तरह के मामलों में जहां मेटा का यह तर्क रहता है कि वह भारत के कानूनों का पालन करती है,वहीं सरकार भी कई बार यह स्पष्ट कर चुकी है कि वह किसी अकाउंट को निलंबित करने का आदेश तब देती है, जब उससे सार्वजनिक या राष्ट्रीय सुरक्षा को हानि पहुंचाने वाली सामग्री पोस्ट की गई हो। मेटा अथवा इन जैसी कंपनियों की किसी कार्रवाई का विरोध अलग बात है,लेकिन उनके दफ्तरों में घुसकर तोड़फोड़ करना अलग बात। दुर्भाग्य से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हैदराबाद में मेटा कार्यालय के अंदर घुसकर गमले तोड़ दिए तो मुंबई में उसके कार्यालय की दीवारों पर पेंट से नारे लिखे और सुरक्षा गार्ड़ों से हाथापाई भी की। गुरुग्राम में उन्होंने मेटा कार्यालय के गेट पर ताला जड़ दिया। इस तरह की हरकतें बहुराष्ट्रीय कंपनियों को गलत संदेश देने और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के बीच भारत की प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचाने वाली हैं।

यदि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को विरोध जताना ही था तो उसके लिए अन्य शालीन और प्रभावी तरीके अपनाए जा सकते थे। मेटा से यह पूछा जा सकता था कि उसने किन कारणों से यूथ कांग्रेस के नेताओं के अकाउंट निलंबित किए। वे अदालत का दरवाजा भी खटखटा सकते थे। भारत समेत दुनिया भर में ऐसा ही किया जाता है। कांग्रेस के उग्र कार्यकर्ताओं ने आपत्तिजनक राह पकड़ी। उन्होंने मेटा के कार्यालयों के बाहर हिंसक प्रदर्शन करने के साथ ही उसे सात दिन के अंदर निलंबित अकाउंट बहाल करने का अल्टीमेटम भी दे दिया। यह एक तरह की धमकी ही है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को इतनी समझ होनी ही चाहिए कि इंस्टाग्राम, फेसबुक,एक्स अथवा ऐसे ही अन्य डिजिटल प्लेटफार्म जिस तकनीक के तहत कार्य करते हैं,उसमें एल्गोरिदम की मुख्य भूमिका होती है और वह स्वत कुछ शब्दों को आपत्तिजनक मानकर या तो पोस्ट हटा देता है अथवा अकाउंट ही निलंबित कर देता है। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि कुछ समय पहले मेटा ने फेसबुक पर प्रधानमंत्री मोदी के एक वायरल वीडियो को कुछ घंटों के लिए सीमित कर दिया था। ऐसे में इसे कुतर्क ही कहा जाएगा कि मेटा सरकार के इशारे पर विपक्ष की आवाज दबा रही है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भरोसे शासन?

गलती मशीन की, भुगतेगा नागरिक!

सरकारें आज तकनीक के सहारे तेज, पारदर्शी और प्रभावी शासन का दावा कर रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को प्रशासनिक सुधार, जनसेवा और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया औजार बताया जा रहा है। सरकारी कार्यालयों में नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर देने से लेकर योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान,शिकायतों के विश्लेषण और निर्णय प्रक्रिया तक एआई का प्रवेश तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन तकनीक के चमकदार प्रचार के बीच एक बुनियादी सवाल दबता जा रहा है–यदि मशीन गलत निर्णय देगी,तो नागरिक न्याय के लिए किस दरवाजे पर दस्तक देगा? शासन में एआई का प्रयोग सुविधा का विषय जरूर है,लेकिन इसे जवाबदेही से मुक्त प्रयोगशाला नहीं बनाया जा सकता। जनरेटिव एआई की सबसे खतरनाक प्रवृत्ति यह है कि वह गलत जानकारी भी पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सकता है। वह ऐसे नियम,तथ्य,आँकड़े या पात्रता शर्तें बता सकता है,जो वास्तविकता में मौजूद ही न हों। आम नागरिक मशीन के उत्तर को सरकारी प्रमाणिकता समझ सकता है। यदि किसी वृद्ध व्यक्ति को पेंशन की पात्रता गलत बता दी जाए,किसी विद्यार्थी को छात्रवृत्ति के संबंध में भ्रमित कर दिया जाए या किसी किसान को सरकारी योजना की गलत जानकारी मिल जाए,तो नुकसान केवल तकनीकी त्रुटि नहीं रह जाता; वह नागरिक के अधिकार पर चोट बन जाता है। सरकार के लिए एआई की गलती एक आँकड़ा हो सकती है, लेकिन नागरिक के लिए वह भूख, आर्थिक संकट,अवसर की हानि और निराशा बन सकती है।



डॉ.प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा



प्रतीकात्मक फोटो: दैनिक घटती-घटना

विडंबना यह है कि सरकारी व्यवस्था में पहले से मौजूद मानवीय लापरवाही,अस्पष्ट नियम और लालफीताशाही को यदि बिना सुधार किए एआई के हवाले कर दिया जाए,तो समस्या समाप्त नहीं होगी, बल्कि उसका डिजिटल विस्तार हो जाएगा। गलत व्यवस्था को मशीन से चलाने पर वह सही व्यवस्था नहीं बन जाती। यदि पुराना डेटा भेदभावपूर्ण है,तो एआई उसी भेदभाव को नए रूप में आगे बढ़ा सकता है। यदि प्रशासनिक सोच नागरिकों के प्रति संवेदनशील नहीं है,तो तकनीक संवेदनशीलता पैदा नहीं कर सकती। मशीन के पास गति हो सकती है, लेकिन न्यायबोध,सामाजिक अनुभव और मानवीय विवेक का विकल्प नहीं। एल्गोरिद्मिक पक्षपात शासन के लिए गंभीर खतरा है। भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में जाति,वर्ग,लिंग,क्षेत्र,भाषा और आर्थिक स्थिति से जुड़ी असमानताएँ पहले से मौजूद हैं। यदि इन्हीं असमानताओं से प्रभावित आँकड़ों के आधार पर एआई निर्णय लेने लगे,तो वंचित नागरिकों के साथ भेदभाव और अधिक अदृश्य हो सकता है। पहले अन्याय का चेहरा दिखाई देता था,अब वह गणना और तकनीकी प्रक्रिया के पीछे छिप सकता है। किसी व्यक्ति को योजना से बाहर कर दिया जाए और कारण केवल यह बताया जाए कि प्रणाली ने उसे योग्य नहीं पाया,तो यह आधुनिक प्रशासन नहीं,डिजिटल निरंकुशता का नया रूप होगा। निजता के मामले में भी सरकारों को आत्ममंथन करना चाहिए। नागरिक पहले ही अपनी पहचान,बैंक खाते,स्वास्थ्य,शिक्षा और अन्य विवरण अनेक सरकारी प्रणालियों में उपलब्ध करा चुके हैं। क्या अब इन जानकारियों को एआई प्रशिक्षण और विश्लेषण के नाम पर अनियंत्रित रूप से इस्तेमाल किया जाएगा? क्या नागरिक की जानकारी पर सरकार का अधिकार असीमित है? डेटा सुरक्षा केवल तकनीकी व्यवस्था का प्रश्न नहीं, नागरिक की गरिमा और स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि संवेदनशील जानकारी लीक होती है,तो उसकी जिम्मेदारी केवल किसी सर्वर या सॉफ्टवेयर पर डालकर समाप्त नहीं की जा सकती। सबसे चिंताजनक स्थिति जवाबदेही के धुंधले पड़ने की है। सरकारी अधिकारी कह सकता है कि निर्णय प्रणाली के सुझाव पर लिया गया,तकनीकी कंपनी कह सकती है कि उसने केवल उपकरण दिया,और विभाग कह सकता है कि प्रक्रिया स्वचालित थी। अंततः नागरिक किसे जवाबदेह ठहराए? लोकतंत्र में जिम्मेदारी का कोई रिक्त स्थान नहीं हो सकता। मशीन के पीछे छिपकर निर्णय लेने वाले अधिकारियों को प्रशासनिक उत्तरदायित्व से बचने की अनुमति नहीं दी जा सकती। सरकारी निर्णय में एआई का इस्तेमाल हुआ है,तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि अंतिम निर्णय किसने लिया और उसके परिणामों की जिम्मेदारी किसकी है। शासन में एआई के उपयोग पर पारदर्शिता कोई कृपा नहीं,नागरिक का अधिकार होना चाहिए। नागरिक को बताया जाए कि उसके आवेदन, शिकायत, पात्रता या किसी अन्य प्रक्रिया में एआई की भूमिका है या नहीं। निर्णय का आधार क्या है,संबंधित जानकारी कहाँ से आई और यदि निर्णय गलत है तो उसे चुनौती देने का रास्ता क्या है–इन सवालों के उत्तर उपलब्ध होने चाहिए। तकनीकी जटिलता को जवाबदेही से बचने का बहाना नहीं बनाया जा सकता।

इसके लिए स्वतंत्र परीक्षण और लेखा-परीक्षण अनिवार्य होने चाहिए। सरकारी एआई प्रणालियों की नियमित जाँच केवल उनकी गति और लागत बचत के आधार पर नहीं,बल्कि उनकी सटीकता,निष्पक्षता,सुरक्षा और सामाजिक प्रभाव के आधार पर होनी चाहिए। जिन प्रणालियों का प्रभाव पेंशन,राशन,शिक्षा, स्वास्थ्य,रोजगार और नागरिक अधिकारों पर पड़ता है,उनमें कठोर निगरानी और मानवीय अनुमोदन अनिवार्य होना चाहिए। गलत निर्णय की स्थिति में नागरिक को सरल शिकायत व्यवस्था, पुनर्विचार और मानवीय सुनवाई का अधिकार मिले। भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के अनुरूप नागरिकों की निजी जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। डेटा का उपयोग सीमित उद्देश्य के लिए हो,अनावश्यक संग्रह से बचा जाए और सुरक्षा संबंधी उल्लंघनों पर जवाबदेही तय हो। सरकारी कर्मचारियों को भी एआई की सीमाओं, गलत उत्तरों, पूर्वाग्रहों और साइबर खतरों के बारे में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। केवल तकनीक खरीद लेना डिजिटल शासन नहीं है; उसका विवेकपूर्ण संचालन ही वास्तविक सुधार है।

एक और खतरा डिजिटल विभाजन का है। यदि सरकार धीरे-धीरे सभी सेवाओं को एआई आधारित माध्यमों पर निर्भर कर दे,तो ग्रामीण नागरिक,बुजुर्ग, दिव्यांगजन,कम डिजिटल साक्षरता वाले लोग और भाषाई रूप से वंचित समुदाय पीछे छूट सकते हैं। नागरिक को सरकारी सेवा प्राप्त करने के लिए मशीन से संवाद करने की बाध्यता नहीं होनी चाहिए। तकनीक सुविधा दे,लेकिन मानवीय सहायता का दरवाजा बंद न करे। सरकार को एआई के प्रति न अंधा उत्साह दिखाना चाहिए,न भय के कारण उसे पूरी तरह अस्वीकार करना चाहिए। आवश्यकता संतुलित,नियंत्रित और नागरिक-केंद्रित उपयोग की है। उच्च जोखिम वाले निर्णयों में मानव निगरानी, स्वतंत्र ऑडिट,स्पष्ट जिम्मेदारी,डेटा सुरक्षा और प्रभावी शिकायत निवारण अनिवार्य होना चाहिए। सरकार का उद्देश्य मशीनों से नागरिकों को नियंत्रित करना नहीं,तकनीक से नागरिकों की समस्याएँ हल करना होना चाहिए। एआई यदि नागरिक को सरकारी कार्यालयों के चक्कर से बचाता है,तो स्वागतयोग्य है;लेकिन यदि वह नागरिक को गलत उत्तर,अपारदर्शी निर्णय और जवाबदेहीहीन व्यवस्था के हवाले करता है,तो वह सुधार नहीं,संकट है। मशीन कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो,लोकतंत्र उससे अधिक बुद्धिमान व्यवस्था की मांग करता है...जहाँ निर्णय का केंद्र नागरिक हो, सुविधा नहीं;न्याय हो,गणना नहीं;और जवाबदेही हो,तकनीकी बहाना नहीं।

वैश्विक वार्ताएं और वैश्विक युद्ध तथा हिंसा

मानवता पर संकट।

विश्व स्तर पर अमेरिका,चीन और रूस के बीच बीजिंग में मीटिंग में बड़ी-बड़ी बातें हुई और बड़े-बड़े वायदे किए गए पर कुल मिलाकर शांति की स्थापना का कोई मार्ग नहीं निकल पाया, अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध और रूस-यूक्रेन युद्ध लगातार जारी है। रूस तथा यूक्रेन एक दूसरे पर निरंतर आक्रमण किया जा रहे हैं जान और माल का नुकसान भी समय की नियति बन चुका है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर शांति की स्थापना की आशाएं धूमिल होती नजर आ रही है, किसी भी देश को किसी अन्य देश की बातों पर जरा सा भी विश्वास नहीं रह गया है इन सब के फल स्वरुप आम आदमी की मौत सस्ती हो गई और मानवता तथा संवेदना मृतप्राय हो गई है। विश्व राजनीति आज एक गहरे विरोधाभास के दौर से गुजर रही है। एक ओर दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्रों के बीच उच्च-स्तरीय शिखर सम्मेलन, शांति वार्ताएं और रणनीतिक संवाद लगातार आयोजित किए जा रहे हैं,वहीं दूसरी ओर युद्ध, सैन्य संघर्ष और हिंसा की आग बुझने का नाम नहीं ले रही है।अंतरराष्ट्रीय संबंधों के जानकारों और कूटनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बड़े मंचों पर किए जाने वाले शांति के दावे और जमीनी स्तर पर चल रहे सैन्य अभियानों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अमेरिका,चीन और रूस जैसी महाशक्तियों के बीच विभिन्न स्तरों पर संवाद की प्रक्रिया जारी है। विदेश मंत्रियों से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों तक की बैठकों में वैश्विक स्थिरता,परमाणु अप्रसार और आर्थिक सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होती है। हालांकि, कूटनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार,ये वार्ताएं अक्सर औपचारिकता और रणनीतिक लाभ लेने के प्रयासों तक ही सीमित रह जाती हैं।



संजीव कुमार ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़



अमेरिका और चीन के बीच व्यापार, तकनीक और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रभाव को लेकर प्रतिस्पर्धा चरम पर है। संवाद के चैनल खुले रखने की सहमति के बावजूद,दोनों देशों के बीच बुनियादी अविश्वास बरकरार है। दूसरी ओर, रूस और पश्चिमी देशों के बीच संवाद लगभग ठप्प सा है,और जो भी सीमित संपर्क हो रहे हैं,वे किसी ठोस शांति समझौते के बजाय केवल संकट प्रबंधन तक सीमित हैं। विश्लेषकों का तर्क है कि जब तक महाशक्तियां अपने संकीर्ण भू-राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर साझा वैश्विक सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं देंगी,तब तक ये बैठकें केवल सुर्खियां बटोरने का माध्यम बनी रहेंगी।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित क्वाड (भारत,अमेरिका,जापान और ऑस्ट्रेलिया) की बैठकों पर पूरी दुनिया की नजर रहती है। इन सम्मेलनों में समुद्री सुरक्षा,जलवायु परिवर्तन, महत्वपूर्ण तकनीकों और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने जैसे विषयों पर व्यापक विमर्श होता है।

परंतु,कई रणनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि क्वाड की बैठकों के बाद जारी होने वाले संयुक्त वक्तव्य अक्सर कूटनीतिक चश्मे में लिपटे होते हैं, जिनमें तत्काल और निर्णायक कार्रवाई का अभाव दिखता है। क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए जिस ठोस सैन्य या आर्थिक प्रतिरोध की अपेक्षा की जाती है,वह सदस्य देशों के अलग-अलग राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं के कारण पूरी तरह आकार नहीं ले पाती। इससे यह सवाल उठता है कि क्या ये बहुपक्षीय मंच केवल प्रतीकात्मक एकजुटता दिखाने तक सीमित हैं या वे वास्तविक संकटों को टालने की क्षमता भी रखते हैं।

मध्य पूर्व में जारी संघर्ष वैश्विक शांति के लिए सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बना हुआ है। इजरायल और क्षेत्रीय प्रतिरोधी समूहों के बीच शुरू हुआ तनाव अब व्यापक क्षेत्रीय अस्थिरता का रूप ले चुका है, जिसमें ईरान और अमेरिका की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष भूमिका ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों के अनुसार,इस संघर्ष ने भयावह मानवीय संकट को जन्म दिया है,जिसमें हजारों निर्दोष नागरिकों की जान गई है और बुनियादी ढांचा पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। युद्धविराम के लिए कई देशों और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों द्वारा किए गए प्रयास अब तक स्थायी समाधान निकालने में विफल रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि इस क्षेत्र में सुरक्षा और संप्रभुता को लेकर सभी पक्षों के अपने-अपने तर्क और ऐतिहासिक शिकायतें हैं,जिसके कारण कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं है। परिणामस्वरूप,कूटनीति की मेज पर होने वाली हर पहल मिसाइलों और ड्रोन हमलों की गूंज में दब जाती है। यूरोप की धरती पर चल रहा रूस-यूक्रेन युद्ध अपने सबसे भयानक और विनाशकारी दौर से गुजर रहा है। वर्षों से जारी इस संघर्ष ने न केवल दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं और पीढ़ियों को गहरा आघात पहुंचाया है,बल्कि वैश्विक खाद्य और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। सैन्य विश्लेषकों के अनुसार,यह युद्ध अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है जहां दोनों पक्षों को भारी जान-माल का नुकसान उठाना पड़ रहा है,लेकिन निर्णायक जीत किसी के हाथ लगती नहीं दिख रही है। पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को दी जा रही सैन्य सहायता और रूस की आक्रामक रणनीति ने इस संघर्ष को और लंबा खींच दिया है। शांति प्रस्तावों पर चर्चा तो होती है,लेकिन संप्रभुता,क्षेत्रीय अखंडता और सुरक्षा गारंटी जैसे बुनियादी मुद्दों पर दोनों पक्षों के रुख में कोई लचीलापन नहीं दिखता।

इन तमाम संघर्षों के बीच सबसे बड़ी चिंता संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं की प्रभावशीलता को लेकर है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जिस उद्देश्य से इन संस्थाओं का निर्माण किया गया था,वह आज कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है। सुरक्षा परिषद में वीटो शक्ति के दुरुपयोग और महाशक्तियों के बीच ध्रुवीकरण के कारण अंतरराष्ट्रीय कानूनों और प्रस्तावों का पालन करवाना लगभग असंभव हो गया है।विदेश नीति के जानकारों का मानना है कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था एक संक्रमण काल से गुजर रही है।

अब्बू की गोदी में अम्मी के किस्से

हाल ही में मुल्क के एक बेहद मशहूर सियासी खानदान की बड़ी बहू की लिखी किताब का शाही जलसा हुआ। जलसे की रौनक तब दोगुनी हो गई जब उनके साहबजादे ने स्टेज पे से अपने बचपन की एक ऐसी मीठी याद सुना दी कि सुनने वालों के चेहरों पे गुदगुदी सी दौड़ गई। साहबजादे ने बड़े मासूम अंदाज में फरमाया कि जब वे छोटे थे,तो हर बार खाने की मेज पर उनकी अम्मी जान उनके अब्बा हुजूर की गोद में बैठ के ही खाना खाया करती थीं। अब यारो,हम हैदराबादी मिजाज के लोगों के लिए तो यह खबर किसी शाही दावत की खुशबू से कम नहीं थी। चारमीनार के कमान से लेके हुसैन सागर के किनारे टहलने वाले बुजुर्गों तक,हर गली और चौरस्ते पर इसी गोद-ए-खास के अफसाने पर ऐसी-ऐसी चटपटी गुफ्तगू शुरू हुई कि क्या बोलना!

हमारे मोहल्ले के पुराने ईरानी कैफे वाले उस्ताद रहमान की दुकान पे तो सुबह से ही लोगों का हुजूम लगा हुआ है। उस्ताद रहमान कपड़े की छन्नी से उबलती चाय छानते हुए अपने खास दक्कनी लहजे में बोले,अरे इस्माइल भाई,सुने तुम क्या चल रहा सो है? बड़े घरों के नखरे और मोहब्बत के अंदाज भी एकदम निराले रहते जी। हमारे पास तो घरवाली अगर किचन से पानी का गिलास भी लाके दे दी तो हम खुद को बहुत खुशनसीब मानते,और वहां खाने की मेज पर बाकायदा गोद का तख्त-ए-ताऊस सजा रहता था। हौले-हौले निवाले चल रहे सो हैं और नीचे कुर्सी भी सब ठीक है बोल के खामोश बैठी है!

पास ही लकड़ी की चरमराती बेंच पे बैठे मास्टर मजीद साहब ने अपना मोटा चश्मा नाक की नोक पे सरकाया और लंबी आह भरते हुए बोले,भाई रहमान,तुम ठहरे खालिस देसी आदमी, तुम क्या जानो विलायती नजाकत और शाही मोहब्बत के तौर-तरीके। अरे हम तो जब से शादी करके लाए हैं,हमारी बेगम साहिबा ने आज तक हमें अपनी खुद की कुर्सी पे भी सुकून से बैठने नहीं दिया, गोद में बिठाना तो बहुत दूर की बात है। कल ही की बात है,हमने जरा सा अखबार खोला ही था कि बेगम साहिबा ने झाड़ू का ऐसा तिरछा इशारा किया कि हम खुद ही अपनी कुर्सी छोड़ के कोने में खिसक गए। अब बताओ,ऐसे में हम कहां से शाही दस्तरख्वान के ख्वाब देखें? हमारे घर में तो गोद सिर्फ एक ही है...अखबार की,जिसमें हम रोज अपनी किस्मत का रोना रोते हैं।

इतने में मोहल्ले के सबसे बुजुर्ग, हरफनमौला और फलसफी मिजाज के नवाब जहांगीर खान अपनी चांदी की मूठ वाली छड़ी टेकते हुए आ पहुंचे। जहांगीर खान की खासियत है कि वे हर मामूली बात में भी पुराने जमाने की नफासत और फलसफा ढूंढ ही लेते हैं। उन्होंने पान की गिलौरी मुंह में दबाई, पीक को सलीके से संभाला और आंखें नचाते हुए फरमाया, अरे मियां,इस बात का इतना बतंगड़ काहे को बना रहे हो? अरे मोहब्बत का तकाजा ही यही है कि मियां-बीवी में इतनी नजदीकी रहे कि दाल-चावल भी एक ही प्लेट और एक ही कुर्सी पर नसीब हो जाए। मगर हां,जरा उस मंजर का खयाल तो करो कि जब दस्तरख्वान पर दम की बिरयानी,मटन कोरमा,खट्टे का सालन और गरम रुमाली रोटियां सजी हों,और बेगम साहिबा शौहर की गोद में बैठ के निवाला तोड़ रही हों। इसमें सबसे बड़ा इम्तिहान तो उस बेचारे शौहर की कमर और घुटनों का होता होगा। एक तरफ दाएं हाथ से निवाला मुंह में डालना है और दूसरी तरफ कुर्सी और घुटनों का बैलेंस भी संभाल के रखना है। जरा सी चूक हुई नहीं कि मिर्ची का सालन सीधे जरीदार शेरवानी पे! इसी को बोलते हैं...ऊपर शेरवानी,अंदर परेशानी। सारी नजाकत धरी की धरी रह जाए और बाद में ड्राई-क्लीनर के पास जाके हौ मियां,जरा दाग निकालो बोलना पड़े।

जहांगीर खान की इस बात पर पूरे कैफे में ऐसा जोरदार ठहाका गूंजा कि बाहर छज्जे पर बैठे कबूतर भी घबरा के फड़फड़ाते हुए उड़ गए। तभी वहां से गुजरते हुए सेठ वेंकट राव भी अपनी भारी-भरकम तोंद संभालते हुए रुक गए। वेंकट राव का वजन इतना है कि वे अकेले बैठें तो पूरी की पूरी सागौन की बेंच भी रहम की भीख मांगने लगती है। उन्होंने बड़ी मायूसी से कहा,भैया जहांगीर खान,यह सब दुबले-पतले और सुक्खे बदन वालों के ही चोंचले हैं। जरा सोचो, अगर हमारी घरवाली पद्मावती ने यह खबर पढ़ ली और कल सुबह नाश्ते के टाइम हमारी गोद में बैठने की जिद पकड़ ली,तो हमारा क्या हाल होगा? अरे लुखमी और उस्मानिया बिस्किट तो पेट में जाने से रहे,उल्टा हमारे दोनों घुटनों का कचूमर निकल जाएगा और मोहल्ले के हकीम साहब के पास हमें चारपाई पर लाद के ले जाना पड़ेगा। वैसे भी आजकल के जमाने में तो कुर्सियां भी इतनी कमजोर आती हैं कि दो लोगों का बोझ उठाना तो छोड़ो,जोर से फूंक मारो तो चारों खाने चित्त हो जाती हैं।

मास्टर मजीद साहब ने चाय का घूंट भरते हुए चुटकी ली,वेंकट भाई जान,आप फिक्र नक्को करो। भाभी जी बहुत समझदार हैं,उनको मालूम है कि आपकी गोद में बैठने से अच्छा है कि अपने मायके पैदल ही निकल लिया जाए। वैसे एक बात तो माननी पड़ेगी कि उस साहबजादे ने यह दास्तान सुना के देश के तमाम शौहरों के लिए एक नई मुसीबत खड़ी कर दी है। अब हर घर में शाम की ईरानी चाय पे यही सवाल उठेगा कि देखो जी,बड़े लोग कैसे प्यार जताते हैं,एक तुम हो कि खाना खाते वक्त भी मोबाइल या टीवी में घुसे रहते हो। ऊपर से सियासत के गलियारों में भी अब इस बात पर गहरी बहस छिड़ेगी कि किसकी कुर्सी कितनी मजबूत है और किसकी गोद में कितनी जगह बाकी है।

उस्ताद रहमान ने एक और कप में गरम चाय उंडेलते हुए कहा,अरे मास्टर साहब, मुसीबत सिर्फ शौहरों की नहीं है,जरा उन बावर्चियों और खानसामों की हालत सोचो जो उस वक्त खाना परोसते होंगे। बेचारे समझ ही नहीं पाते होंगे कि पहले साहब की प्लेट में बिरयानी डालें या मेमसाहब की प्लेट में। और अगर गलती से गरम निहारी या दाल का चम्मच छलक गया, तो दो-दो लोगों के एक साथ उछलने का जो मंजर बनता होगा,वह किसी सर्कस के खेल से कम न रहा होगा। ऊपर से बच्चों की मासूम निगाहें,जो यह समझती होंगी कि दुनिया में खाना खाने का यही एक शाही तरीका है और बगैर गोद के तो निवाला गले से नीचे उतरता ही नहीं।

डॉ.सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

हर रज कण में भोले

अजब-गजब और तीन-ताल की,
भोले दुनिया सारी,
आओ पल-दो-पल बतियाएं,
छोड़ दें दुनियादारी।
अजब-गजब और ...
नहीं कहीं कोई भूल-भुलैया,
नहीं किसी से यारी,
भोले की सूरत ही लगती,
मुझको सबसे प्यारी।
अजब-गजब और ...
जब-जब भोले को देखा,
कुछ और रास नहीं आया,
बस भोले का संग-साथ,
हरदम मुझको है भाया।
अजब-गजब और ...
कदम-कदम हम साया बन कर,
जब दोनों संग चलते,
देवदूत और इंसा सारे,
पल-पल आंखें मलते।
अजब-गजब और ....
भोले-भक्ति में ऐसे डूबे,
शब्द शहद हों जैसे,
हर रज कण में भोले दिखते,
हैं ही भोले ऐसे।
अजब-गजब और ...

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम इन्दौर,मध्यप्रदेश

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
सम्पादक

नर्मदा की लहरों में समाई स्मृतियाँ,हमारा पुराना गाँव बलड़ी संस्कार,सद्भाव और एक खोए हुए स्वर्ग की दास्तान

कहते हैं कि समय के साथ भूगोल बदल जाता है,नदी की धाराएँ नए रास्ते चुन लेती हैं और नक्शों से कई नाम मिट जाते हैं,लेकिन जो गाँव लोगों की साँसों,संस्कारों और साझा स्मृतियों में बसा हो,वह कभी नहीं डूबता। खंडवा जिले की ऐतिहासिक हरसूद तहसील का हमारा गाँव बलड़ी भी ऐसा ही एक गाँव था। माँ नर्मदा के आँचल में पला-बढ़ा यह गाँव आज भले ही इंदिरा सागर बाँध की अथाह जलराशि में समा चुका है,पर तीन दशक पहले की वे भोर,मिट्टी की सोंधी महक और आत्मीयता से भरी गलियाँ आज भी हर बलड़ी वासी के भीतर उतनी ही ताज़ा हैं। आज जब हम तेज़ भागती आधुनिकता और कंक्रीट के बढ़ते जंगलों के बीच खड़े होकर पीछे देखते हैं,तो बीते दौर के बलड़ी की वो तस्वीरें जो हमारी आंखों में किसी फिल्म की तरह घूमती हैं,केवल अतीत का विलाप नहीं रहतीं, बल्कि एक ऐसी जीवन-दृष्टि का जीवंत दस्तावेज़ बन जाती हैं जहाँ सादगी सबसे बड़ा वैभव थी और रिश्तों की गर्माहट सबसे बड़ी पूँजी। धरती की सादगी और रिश्तों का खुला आँगन,माँ नर्मदा के सान्निध्य में बसे होने के कारण बलड़ी की आबो हवा में एक सहज़ शांति,पवित्रता और लोक-संस्कारों की सुगंध घुली हुई थी। हमारे गाँव के मिट्टी से लिपे-पुते कच्चे घर और ख़परैल या छप्पर की छतें भले ही आकार में छोटे और साधनों में सीमित दिखते थे,लेकिन उनके भीतर बसने वाले लोगों के हृदय नर्मदा के पाट जितने विशाल थे। वहाँ ऊँची चहारदीवारियों के बजाय संवेदनाओं,उदारता और साझापन का विस्तार था।बलड़ी की संकरी,कच्ची गलियाँ केवल आने-जाने के मार्ग नहीं थीं,वे गाँव के संवाद और आत्मीयता का धड़कता हुआ केंद्र थीं। भोर होते ही आँगन बुहारती महिलाएँ,कुएँ से पानी खींचने और बर्तन माँजने से लेकर खेतों से हरा चारा लाने तक रोज़मर्रा के कामों में एक-दूसरे का हाथ बँटाती पड़ोसनें,पेड़ की छांव या चौपाल की खाट पर बैठकर देश-दुनिया से लेकर घर-परिवार के सुख-दुःख बाँचते बुजुर्ग और बैलगाड़ी के साथ खेतों की ओर बढ़ते किसान,यह उस जीवंत सामाजिक ताने-बाने की तस्वीर थी जहाँ पराया पन के लिए कोई जगह नहीं थी। गाँव में न जाति की कठोर दीवारें थीं,न ऊँच-नीच का कटु भेद। किसी के घर बारात की शहनाई,ढोल-नगाड़ों और लालटेन की रोशनी में पारंपरिक गीत गूँजते हों या किसी आँगन में अचानक कोई विपदा आ पड़ी हो पूरा बलड़ी एक परिवार की तरह बिना बुलाए साथ खड़ा मिलता था। इस सामूहिक सहारे ने किसी को भी अकेला या असहाय नहीं होने दिया।

गंगा-जमुनी तहज़ीब और साझा आस्था के रंग

बलड़ी की सबसे बड़ी सांस्कृतिक पूँजी उसकी गंगा-जमुनी तहज़ीब, आपसी सद्भाव और निश्छल भाईचारा था। यह किसी मंच से कही जाने वाली बात नहीं,बल्कि गाँव की हर चौखट और हर आँगन में साँस लेती हुई स्वाभाविक परंपरा थी। यहाँ धर्म और पंथ की लकीरें कभी मानवीय रिश्तों के रास्ते में दीवार बनकर नहीं आईं। नर्मदा तट का प्राचीन शंकर मंदिर और गाँव का हनुमान मंदिर जितना अपना और श्रद्धा का केंद्र था,गाँव की मस्जिद और इमामबाड़े के अखाड़े ओर क़व्वाली की रौनक में भी पूरा गाँव उतने ही आदर और उत्साह से शरीक होता था। मंदिर की घंटियों की गूँज हो या अज़ान और मजलिस की संजीदगी हर जगह गाँव वासियों की साझा मौजूदगी यह बताती थी कि इबादत और उपासना के रास्ते भले अलग हों,पर श्रद्धा की गहराई एक जैसी थी। बेड़े वाले बाबा और वहीं विराजमान माता जी के प्रति गाँव की आस्था भी ऐसी ही थी,जहाँ शीश नवाते हुए कभी किसी का पंथ या वर्ग नहीं पूछा गया,वहाँ केवल सच्चा विश्वास और निश्छल भाव ही सबसे बड़ा आधार था।

त्योहारों के दिनों में यह एकता और भी चमक उठती थी,गणेश उत्सव के भजन-कीर्तन,सांस्कृतिक उमंग और चहल-पहल की संजीदगी और साझा भागीदारी,हर अवसर पर पूरा बलड़ी कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा दिखता था। भुजरियाँ और नाग पंचमी,सावन के बाद भुजरियाँ उत्सव में हरी-भरी भुजरियाँ भेंट कर गले मिलने की परंपरा और नाग पंचमी के अखाड़ों में होने वाली कुश्तियाँ व दंगल ये आयोजन गाँव के जीवन में स्नेह,शौर्य और स्वस्थ स्पर्धा के रंग भरते थे।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा,मध्यप्रदेश

खीस्त राजा के जयकारों से गूंजा शहर...मसीहियों ने निकाली शोभायात्रा

बिशप डॉ. अंतोनिस बड़ा ने दिया प्रेम,न्याय और शांति का संदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

खीस्त राजा पर्व के अवसर पर रविवार को मसीही समाज की ओर से शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सरगुजा धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष बिशप डॉ. अंतोनिश बड़ा की अगुवाई में निकली शोभायात्रा में हजारों की संख्या में महिला,पुरुष,युवा और बच्चे शामिल हुए। खीस्त राजा के जयकारों और भक्ति गीतों से शहर का वातावरण भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा नवापारा स्थित बेदाग ईश माता महागिरजाघर से प्रारंभ हुई। यह कर्तारामगली,गांधी चौक,घड़ी चौक,संगम चौक,महामाया चौक,गुरुनानक चौक,गुदरी चौक, जोड़ा पीपल और आकाशवाणी चौक होते हुए सेंट जेवियर स्कूल परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। इसमें शहर के तीनों रोमन कैथोलिक चर्च के पुरोहित और अनुयायी शामिल हुए। यात्रा में युवक-युवतियां पारंपरिक परिधानों में नृत्य करते और भजन गाते





हुए चल रहे थे। वहीं,परी के वेश में सजे नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। इस दौरान निकाली गई आकर्षक झांकियां भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभायात्रा में फादर अनिल एक्का,बलधीर टोप्पो,संतोष किस्पोट्टा,पंकज,डॉ. रोजलिन,सिस्टर जार्जिना, सिस्टर ममता,सिस्टर फिलोमीना सहित संत अन्ना,होलीक्रॉस, उर्सुलाइन और चैरिटी सिस्टर्स की सदस्याएं तथा बड़ी संख्या में मसीही समाज के लोग शामिल रहे।

बिशप ने दिया प्रेम और सेवा का संदेश : शोभायात्रा के समापन के बाद विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया गया। मुख्य अनुष्ठाता बिशप डॉ. अंतोनिस बड़ा के साथ वीजी फादर विलियम उर्रे,महागिरजाघर के पल्ली पुरोहित फादर जार्ज ग्रे कुजूर और फादर एल्फिज ने अनुष्ठान संपन्न कराया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए बिशप डॉ. अंतोनिश बड़ा ने कहा कि पूर्व के राजा निरंकुश होकर अपने ऐशो-आराम में लगे रहते थे,लेकिन ईसा मसीह न्याय,प्रेम और शांति पर आधारित राज्य की स्थापना का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि एक दिन सभी को अपने कर्मों का हिसाब देना होगा। न्याय के दिन ईसा मसीह उन लोगों को महत्व देंगे,जिन्होंने अपने जीवन में जरूरतमंद और छोटे से छोटे भाई-बहनों की सेवा की होगी। दूसरों के प्रति किया गया प्रेम और सेवा ही ईश्वर के प्रति सच्ची भक्ति है। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान फादर अनुरंजन और फादर जॉन जैसवाल ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए। मंच संचालन फादर इसहाक ने किया।

क्रिसमस की तैयारियों का आगाज

खीस्त राजा पर्व की शोभायात्रा क्रिसमस से ठीक एक माह पहले निकाली जाती है। इसके बाद मसीही समाज अपने प्रमुख त्योहार क्रिसमस की तैयारियों में जुट जाता है। घरों और गिरजाघरों में चरनी निर्माण सहित अन्य तैयारियां शुरू हो जाती हैं।

आधी रात कार सवार चोरों ने घर में बंधी चार बकरियां चुराईं

बंधा चारपारा में वारदात,दरवाजे की बाहर से कुंडी लगाकर हुए फरार...महिला ने थाने में दिया आवेदन



-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बंधा चारपारा में आधी रात कार सवार अज्ञात चोर घर में बंधी चार बकरियां चोरी कर फरार हो गए। घटना के दौरान चोरों ने घर के दरवाजे की बाहर से कुंडी लगा दी थी,जिससे बुजुर्ग महिला बाहर नहीं निकल सकी। पीड़िता ने शनिवार को लखनपुर थाने पहुंचकर कार्रवाई के लिए आवेदन दिया है। जानकारी के अनुसार,रामेश्वरी पति स्व. शोभित ने अपने पक्के मकान के अंदर चार बकरियां बांध रखी थीं। रात में खाना खाने के बाद वह घर के बगल में सोने चली गई। रात करीब 3.30 बजे आवाज सुनकर उनकी नींद खुली। दरवाजा खोलने की कोशिश की तो बाहर से कुंडी लगी हुई थी। इस दौरान अज्ञात चोर चारों बकरियां लेकर कार से फरार हो गए। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग जागे और दरवाजे की कुंडी खोली। इसके बाद बकरियां चोरी होने की जानकारी सामने आई। महिला ने लखनपुर थाने में आवेदन दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। क्षेत्र में पहले भी बकरी चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

किराना दुकान से 75 हजार रुपए तक की चोरी,सीसीटीवी में कैद हुई महिला की करतूत

10 दिन में पांच बार गल्ले से रकम पार की,सामान खरीदने आने वाली पड़ोस की महिला पर आरोप,दुकान संचालक ने कोतवाली में की शिकायत



-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शहर के बाबूपारा स्थित प्रकाश किराना स्टोर में लगातार हो रही चोरी का सीसीटीवी कैमरे से खुलासा हुआ है। दुकान में सामान खरीदने आने वाली पड़ोस की एक महिला ही चोरी करते कैमरे में कैद हुई है। आरोप है कि महिला ने पिछले 10 दिनों में पांच बार दुकान के गल्ले से करीब 70 से 75 हजार रुपए पार कर दिए। जानकारी के अनुसार, दुकान संचालक पिछले कई महीनों से दुकान में हो रही चोरी से परेशान था। रकम कम होने के बावजूद चोर का पता नहीं चल पा रहा था। इसके बाद उसने दुकान में सीसीटीवी कैमरे लगवाए। फुटेज की जांच करने पर सामान खरीदने आने वाली पड़ोस की महिला गल्ले से रुपए निकालते दिखाई दी। बताया जा रहा है कि महिला ने महज 10 दिनों में पांच बार चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरी की पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित दुकान संचालक ने मामले की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

रक्तदान कर चर्च ऑफ गॉड ने दिया मानवता और जीवन बचाने का संदेश

अंबिकापुर में 2015वां विश्व रक्तदान अभियान आयोजित,117 लोगों ने किया 27,200 मिलीलीटर रक्तदान,महापौर मंजूषा भगत सहित जनप्रतिनिधियों ने की सराहना...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराने और मानवता की सेवा का संदेश लेकर चर्च ऑफ गॉड वर्ल्ड मिशन सोसाइटी ने रविवार को अंबिकापुर में विश्व रक्तदान अभियान आयोजित किया। आर. एस. डी. के.एस.शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित इस अभियान में 117 लोगों ने 27 हजार 200 मिलीलीटर रक्तदान किया। आयोजन में चर्च के सदस्यों के साथ स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। चर्च ऑफ गॉड वर्ल्ड मिशन सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित इस अभियान का नाम 'फसह के प्रेम के द्वारा जीवन देने के लिए 2015वीं विश्व रक्तदान ड्राइव' रखा गया था। संस्था के प्रतिनिधि किरण चौहान (केविन) ने कहा कि मसीह के प्रेम और बलिदान की भावना से प्रेरित होकर जरूरतमंद लोगों की सहायता के उद्देश्य से रक्तदान अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रक्तदान के माध्यम से पड़ोसियों के प्रति प्रेम को व्यवहार में उतारने का प्रयास किया जा रहा है।



240 लोग पहुंचे,117 ने किया रक्तदान : अभियान में करीब 240 लोग शामिल हुए। इनमें से स्वास्थ्य परीक्षण के बाद 117 लोगों ने रक्तदान किया। चिकित्सा महाविद्यालय की टीम ने रक्त परीक्षण,रक्तचाप जांच और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कराईं। अस्पताल प्रबंधन की ओर से चिकित्सा कर्मियों के साथ रक्तदान संबंधी आवश्यक सामग्री एवं नाश्ते की व्यवस्था भी की गई।

महापौर और निगम सभापति ने की सराहना : कार्यक्रम में महापौर मंजूषा भगत ने संस्था के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि चर्च ऑफ गॉड समाजसेवा के कार्यों में लगातार सक्रिय रहती है। उन्होंने रक्तदान को जरूरतमंदों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह ने भी इसे पुण्य और जीवन बचाने वाला सराहनीय कार्य बताया। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. राकेश निगम,मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. आर.सी.आर्य,असिस्टेंट मेडिकल सुपरि टेंडेंट डॉ. जी.के. दामले एवं सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

रक्तदान को बताया पड़ोसियों की सेवा का माध्यम : रक्तदान करने वाले सत्यदीप टोप्पो (41) ने कहा कि एक यूनिट रक्त से तीन लोगों की जिंदगी बचाने की संभावना उन्हें इस कार्य के लिए प्रेरित करती है। रेशमा खेस (38) ने कहा कि अपनी मां के त्याग और प्रेम को याद करते हुए रक्तदान के जरिए दूसरों की मदद करने की खुशी मिली। वहीं प्रबोध कुजुर (45) और पवन तिग्गा (35) ने भी रक्तदान को मानव सेवा और माता के प्रेम की भावना से जुड़ा कार्य बताया।

68 देशों तक पहुंचा अभियान : संस्था के अनुसार, वर्ष 2005 में दक्षिण कोरिया से शुरू हुआ यह रक्तदान अभियान अब अमेरिका,जर्मनी,ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे सहित 68 देशों तक पहुंच चुका है। सितंबर तक इस अभियान के तहत 1,890 रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें करीब 3.43 लाख लोगों ने भाग लिया और लगभग 1.46 लाख लोगों ने रक्तदान किया। संस्था का दावा है कि इन प्रयासों से करीब 4.40 लाख लोगों का जीवन बचाने में मदद मिली है। चर्च ऑफ गॉड वर्ल्ड मिशन सोसाइटी रक्तदान के अलावा स्वच्छता अभियान,स्वास्थ्य,शिक्षा और जनकल्याण से जुड़े कार्यों में भी सक्रिय है। संस्था के अनुसार,वह दुनिया के 175 देशों में सामाजिक गतिविधियां संचालित कर रही है।

कुसमी में ट्रॉली से टकराई बाइक,17 वर्षीय किशोर की मौत...साथी गंभीर

मुख्य मार्ग पर शिवम् मेडिकल स्टोर के पास हुआ हादसा,सड़क के गड्ढों और निर्माण गुणवत्ता को लेकर भी उठे सवाल

-संवाददाता-
कुसमी (बलरामपुर),22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

नगर के मुख्य मार्ग पर रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई,जबकि उसका 18 वर्षीय साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा शिवम् मेडिकल स्टोर के समीप उस समय हुआ,जब बाइक सवार जीप के पीछे टोचन कर ले जाई जा रही पुरानी ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान ग्राम रातासिली निवासी आशु टोप्पो (17),पिता स्व. सुखचरण के रूप में हुई है। वहीं घायल इमरान लकड़ा (18),पिता जुलयानूस लकड़ा,को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है।

टोचन ट्रॉली से हुई टक्कर : प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,अंबिकापुर की बताई जा रही एक जीप के पीछे पुरानी ट्रैक्टर ट्रॉली टोचन कर ले जाई जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार युवकों की बाइक ट्रॉली से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आशु की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि इमरान गंभीर रूप से घायल हो



गया। हालांकि दुर्घटना की वास्तविक वजह पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

सड़क के गड्ढों ने खड़े किए सवाल : हादसे के बाद कुसमी मुख्य मार्ग की बदहाल स्थिति और सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक,लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित इस सड़क पर कई जगह गड्ढे हो गए हैं,जबकि मार्ग अभी ठेकेदार की डिफेक्ट लायबिलिटी अवधि में बताया जा रहा है। लोगों के बीच आशंका जताई जा रही है कि सड़क के गड्ढों से बचने के प्रयास में बाइक सवारों ने दिशा बदली हो और हादसा हुआ हो। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। यदि सड़क की खराब स्थिति दुर्घटना की वजह रही है,तो यह निर्माण गुणवत्ता और विभागीय निगरानी पर गंभीर सवाल है। गारंटी अवधि के बावजूद गड्ढों की मरम्मत नहीं होने और नियमित निरीक्षण की स्थिति की जांच जरूरी है।

पुलिस जांच में जुटी : सूचना मिलते ही कुसमी पुलिस मौके पर पहुंची और डायल 112 की मदद से दोनों युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने आशु टप्पो को मृत घोषित कर दिया,जबकि इमरान की गंभीर हालत को देखते हुए उसे अंबिकापुर रेफर किया गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

इस घटना से रातासिली गांव और मृतक के परिवार में शोक का माहौल है। एक परिवार ने कम उम्र में अपना बेटा खो दिया,वहीं घायल युवक के परिजन उसके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क के गड्ढों की जांच और तत्काल मरम्मत की मांग उठाई है।

गुरुनानक देव के 557 वें प्रकाश पर्व पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

गुरुनानक देव के 557 वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में 22 नवंबर को गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा अंबिकापुर द्वारा विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इसकी अगुवाई पंज प्यारों ने की। प्रकाश उत्सव गुरुद्वारा में 24 नवंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। गुरु साहब की भव्य शोभायात्रा गुरुद्वारा सिंह सभा, स्कूल रोड से प्रारम्भ हुई। इसकी अगुवाई पंज प्यारे कर रहे थे। शोभायात्रा गुरुद्वारा साहिब से गुरुनानक चौक शिवाजी चौक (गुदरी चौक),जोड़ा पीपल, आकाशवाणी चौक,गांधी चौक, घड़ी चौक,संगम चौक, ब्रम्ह रोड होकर गुरुद्वारा नानक निवास बाबूपारा पहुंची। गुरुद्वारा नानक निवास में गुरुवाणी शबद कीर्तन के कार्यक्रम हुए। शोभायात्रा में सिख समाज के बड़ी संख्या में



महिला-पुरुषों व बच्चों ने हिस्सा लिया। शोभायात्रा में गुरुग्रंथ साहिब की सवारी वाली गाड़ी को फूल-मालाओं से भव्य रूप से सजाया गया था,जो आकर्षण का केन्द्र था।

शोभायात्रा में समाज की काफी संख्या में महिलाएं शामिल थीं। फूल-मालाओं से सजाए गए गुरुग्रंथ साहिब की सवारी वाली गाड़ी के पीछे महिलाएं विशेष परिधान में चल रहीं थीं। इस दौरान महिलाएं गुरुग्रंथ के पीछे गुरुवाणी शबद कीर्तन कर रहीं थीं। गुरुनानक देव के 557 वें प्रकाश पर्व पर शोभायात्रा निकाली गई।

बसों में किराये के नाम पर मनमानी,यात्रियों से 50 की जगह वसूले 70 रुपये

चंद्रगढ़ चौक उतरने वाली दो महिला यात्रियों से महामाया रथ के एजेंट ने की अतिरिक्त वसूली, टिकट भी नहीं दिया...परिवहन विभाग की निगरानी पर उठे सवाल...

सुदामा राजवाड़े

अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-रामानुजगंज मार्ग पर यात्री बसों में किराये के नाम पर मनमानी वसूली का मामला सामने आया है। निर्धारित किराये से अधिक राशि मांगने और विरोध करने पर अभद्रता की शिकायतें यात्रियों की परेशानी बढ़ा रही हैं। ताजा मामला चंद्रगढ़ चौक तक सफर करने वाली दो महिला यात्रियों से जुड़ा है,जिनसे 50 रुपये की जगह 70-70 रुपये वसूले गए। हैरानी की बात यह है कि अतिरिक्त किराया लेने के बावजूद उन्हें टिकट भी नहीं दिया गया। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि बसों में किराया वसूली की निगरानी आखिर कौन कर रहा है?

एक ही रूट पर किराये का अलग-अलग हिसाब : मामला बीते गुरुवार का है। जानकारी के अनुसार,चंद्रगढ़ से अंबिकापुर आने के दौरान अम्बिका बस के नियमित कंडक्टर ने दो यात्रियों से 50-50 रुपये किराया लिया। वहीं वापसी में अंबिकापुर गांधी चौक से दोपहर करीब 3 बजे रामानुजगंज के लिए रवाना हुई महामाया रथ बस में चंद्रगढ़ चौक उतरने वाली दो महिला यात्रियों से एजेंट ने 70-70 रुपये वसूल लिए। यानी दोनों यात्रियों से कुल 140 रुपये लिए गए,जबकि इसी दूरी के लिए दूसरी बस में प्रति यात्री 50 रुपये किराया लिया गया था।

परिवहन विभाग की जांच पर सवाल : यदि परिवहन विभाग नियमित रूप से बसों में किराया वसूली की जांच करे और यात्रियों से सीधे जानकारी ले,तो इस तरह की मनमानी पर अंकुश लगाया जा सकता है। केवल किराया सूची चस्पा करने के निर्देश जारी करना पर्याप्त नहीं है। बस मालिकों की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए कि उनके वाहनों में निर्धारित किराया ही लिया जाए और प्रत्येक यात्री को टिकट दिया जाए।

अतिरिक्त किराया,टिकट भी गायब

यात्रियों के मुताबिक,किराये को लेकर सवाल करने पर एजेंट और परिचालकों का व्यवहार भी कई बार असहज करने वाला होता है। मजबूरी में सफर करने वाले ग्रामीण यात्री विवाद से बचने के लिए अतिरिक्त राशि देने को विवश हो जाते हैं। चंद्रगढ़ चौक की दोनों महिला यात्रियों से अधिक किराया लेने के बाद टिकट नहीं दिया जाना भी गंभीर सवाल खड़े करता है। बस में मौजूद नियमित कंडक्टर की चुप्पी ने इस पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया है।

किराया सूची बसों में,लेकिन यात्रियों को जानकारी नहीं

परिवहन विभाग द्वारा बसों में किराया सूची चस्पा करने के निर्देश दिए जाते हैं,लेकिन उनका पालन किस तरह हो रहा है,इसकी निगरानी पर सवाल हैं। कई बसों में किराया सूची इतनी छोटे अक्षरों में लगाई जाती है कि सामान्य यात्री के लिए उसे पढ़ पाना मुश्किल होता है। ऐसे में यात्री वास्तविक किराये की जानकारी के अभाव में एजेंटों की बताई रकम देने को मजबूर होते हैं।

प्रमुख स्टॉपेज पर रेट बोर्ड लगाने की मांग...

यात्रियों ने परिवहन विभाग से मांग की है कि रेलवे स्टेशनों की तर्ज पर प्रमुख बस स्टॉपेज पर आधिकारिक किराया सूची के बोर्ड लगाए जाएं। प्रत्येक 12 से 15 किलोमीटर के अंतराल पर आने वाले प्रमुख स्टॉपेज में किराया दरें प्रदर्शित हों। इसके अलावा सभी यात्री बसों में परिवहन विभाग का शिकायत एवं हेल्पलाइन नंबर अनिवार्य रूप से अंकित किया जाए,ताकि यात्री तत्काल शिकायत दर्ज करा सकें। इस संबंध में बलरामपुर जिला परिवहन अधिकारी यशवंत यादव से वास्तविक किराये की जानकारी लेने के लिए मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। अब देखना होगा कि विभाग इस मामले को संज्ञान में लेकर बसों में किराया वसूली की जांच करता है या यात्रियों की शिकायतें यूं ही अनसुनी होती रहेंगी।



CMYK

कुसमी में निजी जमीन पर नाली निर्माण को लेकर विवाद,अहाता तोड़ने का आरोप

तीन आदिवासी भूस्वामियों ने तहसीलदार न्यायालय में लगाई गुहार...बिना सहमति निर्माण कराने पर जताई आपत्ति,जांच के बाद कार्रवाई का भरोसा





सुदामा राजवाड़े

कुसमी,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सरकारी निर्माण कार्यों के लिए निजी जमीन के इस्तेमाल को लेकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अंबिकापुर में सड़क निर्माण के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव से निजी जमीन मांगे जाने और मुआवजे की शर्त पर सहमति की चर्चा के बीच अब कुसमी नगर पंचायत में निजी भूमि पर नाली निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। यहां तीन आदिवासी भूस्वामियों ने वर्षों पुराने अहाते को बिना पूर्व सूचना और सहमति के तोड़कर नाली निर्माण कराने का आरोप लगाया है। प्रभावितों ने 19 नवंबर को तहसीलदार न्यायालय में आवेदन देकर निर्माण कार्य तत्काल रोकने की मांग की है। मामला नगर पंचायत कुसमी के वार्ड क्रमांक 11 स्थित खसरा नंबर 1308/1 की 0.0590 हेक्टेयर भूमि से जुड़ा है। आवेदकों के अनुसार,तीनों अनुसूचित जनजाति वर्ग के स्थानीय निवासी हैं और संबंधित भूमि पर उनका स्वामित्व है। उनका आरोप है कि बिना सहमति और पूर्व सूचना के निजी जमीन पर बना पुराना अहाता तोड़ दिया गया तथा उसी स्थान पर नाली का निर्माण शुरू करा दिया गया।

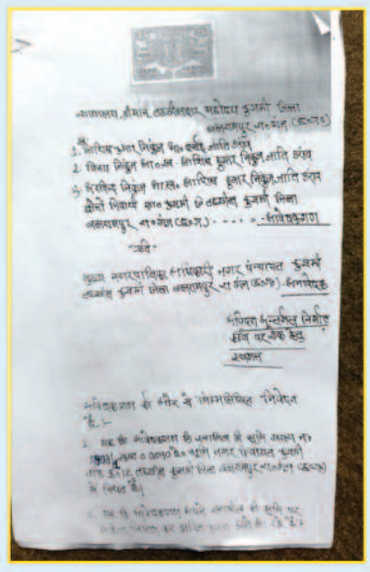
भूस्वामियों ने आशंका जताई है कि निर्माण जारी रहने से उनकी संपत्ति को अपूरणीय क्षति हो सकती है।

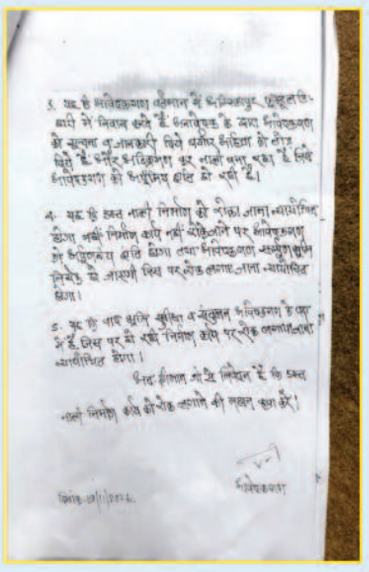
अंबिकापुर के मामले से तुलना,प्रक्रिया पर सवाल : निजी जमीन के उपयोग को लेकर हाल ही में अंबिकापुर में भी मामला चर्चा में आया था। सोशल मीडिया पर सामने आई जानकारी के अनुसार,महापौर मंजूषा भगत पार्षदों के साथ सड़क निर्माण के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव से जमीन देने का आग्रह करने पहुंची थीं। इस पर सिंहदेव ने मुआवजे की व्यवस्था किए जाने की शर्त रखी थी। ऐसे में कुसमी में बिना सहमति अहाता तोड़ने के आरोप ने सरकारी निर्माण कार्यों में निजी संपत्ति के उपयोग की प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीएमओ बोले- पुरानी नाली जर्जर, जांच के बाद होगी कार्रवाई : नगर पंचायत कुसमी के सीएमओ अरविंद विश्वकर्मा ने बताया कि पूर्व में ग्राम पंचायत के समय बनाई गई नाली जर्जर हो चुकी थी,जिससे जल निकासी में परेशानी हो रही थी। इसी कारण नई आरसीसी नाली का निर्माण कराया जा रहा है। निजी भूमि से जुड़े विवाद के संबंध में उन्होंने कहा कि मामला जांच के दायरे में है और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं तहसीलदार रॉकी एक्का ने बताया कि संबंधित आवेदन शुक्रवार को प्राप्त हुआ है। सप्ताहांत की छुट्टियों के कारण तत्काल कार्रवाई नहीं हो सकी। मामले की जांच के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

सीमांकन और सहमति के बिना निर्माण कैसे?

इस विवाद में सबसे अहम सवाल यह है कि क्या नाली निर्माण से पहले राजस्व विभाग से भूमि का सीमांकन कराया गया था? यदि जमीन निजी है तो अहाता हटाने के लिए किस स्तर से अनुमति दी गई और भूस्वामियों की सहमति क्यों नहीं ली गई? यदि जांच में निजी भूमि पर निर्माण की पुष्टि होती है तो प्रभावित परिवारों के नुकसान की भरपाई कौन करेगा? फिलहाल मामला तहसीलदार न्यायालय में पहुंच चुका है। अब राजस्व जांच और प्रशासनिक कार्रवाई से ही स्पष्ट होगा कि निर्माण कार्य निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप हो रहा है या निजी भूमि के अधिकारों की अनदेखी की गई है।





इस वर्ष 3 नए उपार्जन केंद्र बने,किसानों को मिलेगी सुविधा

समर्थन मूल्य पर धान बेचने जिले के 53,378 किसानों का हुआ है पंजीयन

-संवाददाता-
जशपुरनगर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों से 15 नवंबर से धान खरीदी करने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी किसानों से की जा रही है। किसानों को घर बैठे टोकन प्राप्त करने की सुविधा तुंहर टोकन ऐप के माध्यम से दी जा रही है। किसान धान बेचने के लिए टोकन प्राप्त कर रहे हैं। कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले के 49 धान उपार्जन केंद्रों में खरीदी की तैयारियां की गई है। 15 नवंबर 2026 से सभी केंद्रों में धान खरीदी प्रारंभ की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने तथा धान विक्रय के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने देने के निर्देश दिए हैं। 53,378 किसानों ने कराया पंजीयन इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए जिले के कुल 53,378 किसानों ने पंजीयन कराया है,जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 50,904 थी। इस तरह पिछले वर्ष की तुलना में 2,474 नए किसानों ने पंजीयन कराया है। पंजीकृत किसानों का कुल धान रकबा लगभग 91,515.12 हेक्टेयर है। 3 नये उपार्जन केंद्र-किसानों को धान विक्रय में अधिक सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस वर्ष जिले में 3 नए



धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। इनमें कुदमुरा, कोरंगामाल,चम्पा शामिल हैं। नए केंद्र शुरू होने से किसानों को धान बेचने के लिए अधिक विकल्प मिलेंगे और उन्हें आवागमन में भी सुविधा होगी।

मैनपाट में देश के दूसरे सबसे ऊंचे तिरंगे पर सियासत

अमरजीत भगत और विधायक टोप्पो आमने-सामने

अमरजीत ने कहा...संभव हो वही काम करें...विधायक का पलटवार...तीन साल के कार्यकाल में वादे पूरे होंगे

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ का शिमला कहे जाने वाले मैनपाट में देश का दूसरा सबसे ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज स्थापित करने की घोषणा अब सियासी बहस का मुद्दा बन गई है। सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो की इस पहल पर पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि विधायक कभी मैनपाट को स्विट्जरलैंड बनाने की बात करते हैं तो कभी बड़ी-बड़ी घोषणाएं करते हैं। देश का दूसरा सबसे ऊंचा झंडा लगाने से किसी ने मना नहीं किया है,लेकिन वही काम करना चाहिए जो संभव हो। अमरजीत भगत के बयान पर विधायक रामकुमार टोप्पो ने पलटवार करते हुए कहा कि उनके तीन साल के कार्यकाल में अभी 10 दिन बाकी हैं, जबकि अमरजीत भगत को सीतापुर की





जनता ने 20 साल तक अवसर दिया और मंत्री बनने का मौका भी मिला। उन्होंने कहा कि सीतापुर को स्विट्जरलैंड बनाने की बात क्यों की जाए? हम किसी दूसरे देश की संस्कृति और परंपराओं को क्यों अपनाएं। विधायक ने अमरजीत भगत के पुराने वादों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो लोग अपने कमिटमेंट पर खरे नहीं उतर सके,उन्हें दूसरों के वादों पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है। उन्होंने भगत के मूंछ बनाने संबंधी पुराने कमिटमेंट का भी जिक्र किया। विधायक ने स्पष्ट किया कि मैनपाट में राष्ट्रीय ध्वज स्थापित करने की घोषणा की गई है और वहां झंडा जरूर स्थापित होगा। फिलहाल इस मुद्दे पर दोनों नेताओं के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। अब देखना होगा कि मैनपाट को देश के दूसरे सबसे ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज की सौगात कब मिलती है।

118 करोड़ से बनेगी बिरसा मुंडा पीठ,अगले सत्र से शुरू होगी पीजी ट्राइबल स्टडीज

कुलपति प्रो. राजेन्द्र लाकपाले ने दी जानकारी,केंद्र सरकार को भेजा गया प्रस्ताव,जनजातीय इतिहास,संस्कृति और साहित्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में 118 करोड़ रुपये की लागत से भगवान बिरसा मुंडा पीठ स्थापित करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। इसके साथ ही आगामी शैक्षणिक सत्र से विश्वविद्यालय में पीजी ट्राइबल स्टडीज पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. राजेन्द्र लाकपाले ने राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में दी। 18 एवं 19 नवंबर को आयोजित इस संगोष्ठी का विषय 'जनजातीय इतिहास, संस्कृति और साहित्य' था। समापन समारोह में कुलपति प्रो. लाकपाले ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती और राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह जैसे जनजातीय नायकों का संघर्ष देश के स्वाभिमान और स्वतंत्रता से जुड़ा रहा है। इनके योगदान को पाठ्यक्रम और शोध में



समुचित स्थान मिलना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी अपने इतिहास और विरासत पर गर्व कर सके। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित बिरसा मुंडा पीठ में जनजातीय इतिहास,दर्शन,संघर्ष और सामाजिक योगदान पर उच्चस्तरीय शोध किया जाएगा। पीजी ट्राइबल स्टडीज शुरू होने से सरगुजा क्षेत्र के विद्यार्थियों को जनजातीय अध्ययन के लिए बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। संगोष्ठी में चार तकनीकी सत्रों और दो ऑनलाइन समानांतर सत्रों में करीब 65 शोधार्थियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इतिहास,संस्कृति,साहित्य और जनजातीय गौरव पर केंद्रित सत्रों में विशेषज्ञों ने जनजातीय समाज की पहचान,परंपराओं और ऐतिहासिक योगदान पर विचार रखे। डॉ. जनार्दन गौड ने कहा कि जनजातीय भाषाओं और लोक परंपराओं के अध्ययन के बिना प्रामाणिक इतिहास लेखन संभव नहीं है। वहीं कवि एवं चित्रकार महेश वर्मा ने गोंडवानी, सोहराय और धनकुल गाथाओं को आदिवासी समाज की महत्वपूर्ण सांस्कृतिक धरोहर बताया। संगोष्ठी का उद्घाटन 18 नवंबर को महापौर मंजूषा भगत के मुख्य आतिथ्य में हुआ था। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति अध्यक्ष मनोज गुप्ता और सेवानिवृत्त आईएएस एवं साहित्यकार डॉ. संजय अलंग उपस्थित रहे।

डॉ. अलंग ने कहा कि जनजातीय इतिहास उपेक्षा का नहीं,बल्कि स्वाभिमान और प्रतिरोध का इतिहास है। समापन समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिन्हा ने की। संयोजक सुनील अजीत कुमार केरकेट्टा ने संगोष्ठी का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्राचार्य ने भविष्य में भी ऐसे राष्ट्रीय स्तर के अकादमिक आयोजन जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। संगोष्ठी में जनजातीय इतिहास को पाठ्यक्रम में उचित स्थान देने,लोकगीतों, मौखिक साहित्य और पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण पर जोर दिया गया।

सफलता की कहानी : विश्व मात्स्यिकी दिवस पर

अंबिकापुर में संभाग स्तरीय कार्यक्रम में जिले के 70 मत्स्य पालक किसानों ने लिया हिस्सा

मछली पालन,झींगा पालन एवं तिलापिया पालन की आधुनिक तकनीकों और शासकीय योजनाओं की दी गई जानकारी



-संवाददाता-
जशपुरनगर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

विश्व मात्स्यिकी दिवस के अवसर पर ऑडिटोरियम पी.जी. कॉलेज अंबिकापुर में संभाग स्तरीय एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरगुजा संभाग के सभी जिलों से लगभग 400 मत्स्य पालक किसानों ने हिस्सा लिया। इसमें जशपुर जिले के सभी विकास खंडों से 70 मत्स्य पालक किसान शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सरगुजा के उपाध्यक्ष श्री देव नारायण यादव उपस्थित रहे। इसके साथ ही जिला पंचायत की कृषि स्थायी समिति की सभापति श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनिमा केरकेट्टा एवं श्रीमती नानमणि



पैंकरा,श्री राजेंद्र पैंकरा,श्री श्रवण यादव,श्री सुजान बिंद सहित संभाग के विभिन्न जिलों के अधिकारी एवं मत्स्य निरीक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मत्स्य पालन को अधिक लाभकारी एवं रोजगार परक बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों को झींगा पालन एवं तिलापिया मछली पालन की आधुनिक तकनीकों,उत्पादन बढ़ाने के उपायों तथा मत्स्य पालन के माध्यम से आय में वृद्धि की संभावनाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पोर्टल पर मत्स्य कृषकों के पंजीयन की प्रक्रिया तथा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, उनके लाभ एवं पात्रता के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया।

वरिष्ठ पत्रकार गोपाल सिंह विद्रोही के ज्येष्ठ भ्राता विष्णु सिंह का निधन

62 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस,पश्चिम बंगाल के नियामतपुर-सीतारामपुर में पुत्र नीरज सिंह ने दी मुखाग्नि

-संवाददाता-
बिश्रामपुर/सूरजपुर 22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

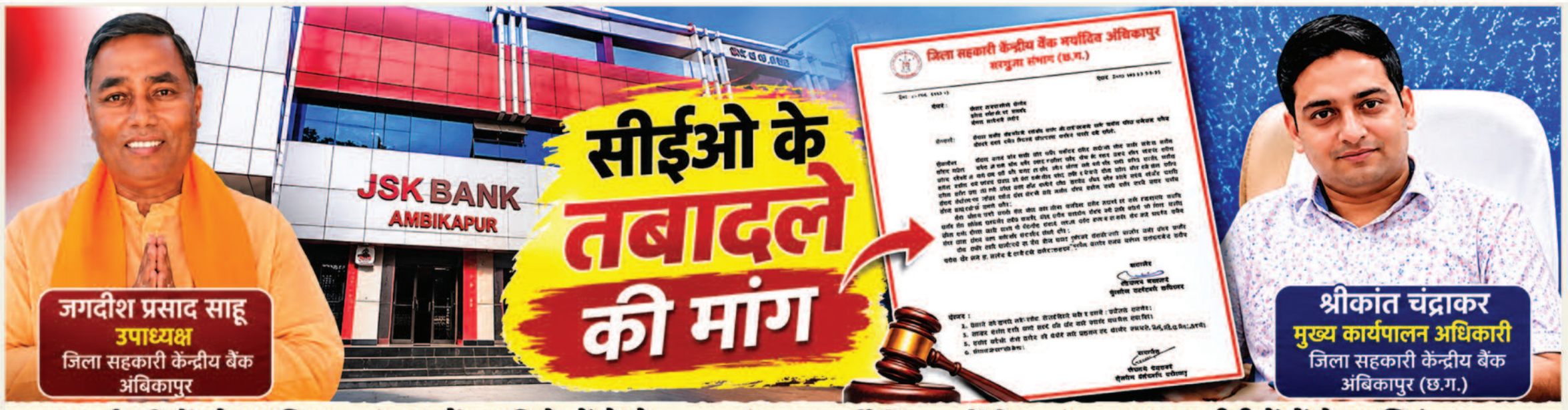
सूरजपुर जिले के वरिष्ठ पत्रकार गोपाल सिंह विद्रोही के ज्येष्ठ भ्राता विष्णु सिंह का अचानक निधन हो गया। वे 62 वर्ष के थे,उनके निधन की खबर से परिवार,रिश्तेदारों और परिचितों में शोक की लहर है। स्वर्गीय विष्णु सिंह का अंतिम संस्कार पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के नियामतपुर-सीतारामपुर में किया गया।

उनके इकलौते पुत्र नीरज सिंह ने उन्हें मुखाग्नि दी,वे अपने पीछे पत्नी विमला देवी,पुत्र नीरज सिंह और पुत्रियां लक्ष्मी, लखी एवं सरस्वती सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

स्वर्गीय विष्णु सिंह, कृष्ण सिंह के अनुज तथा वरिष्ठ पत्रकार गोपाल सिंह विद्रोही और संतश्री अभिमन्यु जी महाराज के बड़े भाई थे, वे मूल रूप से बिहार प्रदेश के भोजपुर जिले के बिक्रमपुर गांव के निवासी थे,उनके निधन पर परिजनों, शुभचिंतकों और परिचितों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।



CMYK



- कर्मचारियों को मानसिक दबाव में रखने का आरोप
- बैंक अभिलेखों से दो कर्मचारियों की फाइलें गायब
- फर्जी शिकायतों से कार्रवाई की धमकी
- धान खरीदी केंद्रों से 10 क्विंटल सुतली और 10 नग त्रिपाल की मांग पर दबाव

मुख्यमंत्री और सहकारिता मंत्री को भेजी शिकायत, सहकारिता विभाग में हलचल

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में अंदरूनी कलह चरम पर...

उपाध्यक्ष ने सीईओ श्रीकांत चंद्राकर के खिलाफ खोला मोर्चा,स्थानांतरण की मांग

बैंक के उपाध्यक्ष ने ही सीईओ के खिलाफ खोला मोर्चा! श्रीकांत चंद्राकर के तबादले की मांग,बैंक में मचा हड़कंप

सहकारी बैंक में अंदरूनी घमासान! उपाध्यक्ष ने सीईओ पर लगाए गंभीर आरोप,मुख्यमंत्री तक पहुंची शिकायत

सीईओ की कार्यशैली से उपाध्यक्ष नाराज! कर्मचारियों पर दबाव,फाइलें गायब होने का आरोप...तबादले की मांग...

जिस बैंक को संभालने की जिम्मेदारी, उसी में बढ़ा असंतोष! उपाध्यक्ष ने सीईओ को हटाने की उठाई मांग...

बैंक में कर्मचारियों की फाइलें गायब या व्यवस्था ही लापता? उपाध्यक्ष ने सीईओ की कार्यशैली पर उठाए सवाल

कर्मचारी भय में,फाइलों का पता नहीं! सहकारी बैंक के सीईओ के खिलाफ उपाध्यक्ष की गंभीर शिकायत

धान खरीदी के बीच बैंक में नया विवाद! सुतली-त्रिपाल की मांग पर दबाव का आरोप,सीईओ के तबादले की मांग

बैंक के भीतर किसका दबाव, किसका संरक्षण? उपाध्यक्ष ने सीईओ के खिलाफ शासन से लगाई गुहार

अब अपने ही बैंक के उपाध्यक्ष ने उठाए सवाल! सीईओ चंद्राकर की कार्यशैली पर गंभीर आरोपों की शिकायत...

सहकारी बैंक में प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल! उपाध्यक्ष बोले...कर्मचारी भयमुक्त होकर काम नहीं कर पा रहे...

कर्मचारियों को मानसिक प्रताड़ना,फाइलें गायब होने और कार्रवाई की धमकी के आरोप...श्रीकांत चंद्राकर के तबादले की मांग,मुख्यमंत्री तक पहुंची शिकायत

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित अंबिकापुर में प्रशासनिक व्यवस्था और अधिकारियों-कर्मचारियों के बीच तालमेल को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं,इस बार सवाल किसी बाहरी व्यक्ति या शिकायतकर्ता ने नहीं,बल्कि बैंक के उपाध्यक्ष ने ही उठाए हैं,बैंक के उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद साहू ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीकांत चंद्राकर की कार्यशैली पर गंभीर आपत्ति जताते हुए उनका अन्यत्र स्थानांतरण किए जाने की मांग की है, इस संबंध में उन्होंने 17 नवंबर 2026 को छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक,नया रायपुर के प्रबंध संचालक को लिखित पत्र भेजा है,पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय,सहकारिता मंत्री केदार कश्यप तथा आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं,छत्तीसगढ़ को भी भेजी गई है।

उपाध्यक्ष के पत्र में सीईओ की कार्यशैली पर सीधे सवाल...

12 नवंबर 2026 को लिखे गए पत्र में उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद साहू ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अंबिकापुर में पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीकांत चंद्राकर का कार्य बैंक के प्रति सही नहीं है,पत्र में आरोप लगाया गया है कि उनके द्वारा बैंक हित में कार्य नहीं किया जा रहा है और कुछ दीर्घकालीन कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर काम किए जाने की जानकारी सामने आ रही है,पत्र में यह भी उल्लेख है कि बैंक के अभिलेखों से दो दीर्घकालीन कर्मचारियों की फाइलें गायब किए जाने की जानकारी प्राप्त हो रही है,यह आरोप सामान्य प्रशासनिक विवाद से कहीं अधिक गंभीर है, किसी भी सहकारी बैंक में कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका,नियुक्ति,पदस्थापना,विभागीय कार्रवाई और अन्य सेवा संबंधी अभिलेख महत्वपूर्ण दस्तावेज होते हैं, यदि वास्तव में दो कर्मचारियों की फाइलें बैंक के रिकॉर्ड से गायब हुई हैं,तो यह पता लगाना जरूरी है कि फाइलें किसके पास थीं,उन्हें किसने अंतिम बार देखा, क्या उनकी तलाश की गई और क्या इस संबंध में कोई लिखित जांच या रिपोर्ट तैयार की गई है, उपाध्यक्ष के पत्र में इस विषय को उठाया जाना बैंक के रिकॉर्ड प्रबंधन और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है,अब बैंक प्रबंधन को स्पष्ट करना चाहिए कि जिन दो दीर्घकालीन कर्मचारियों की फाइलें गायब होने की बात कही गई है,वे कौन-सी फाइलें हैं और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है,क्या वे वास्तव में उपलब्ध नहीं हैं या केवल रिकॉर्ड की खोज के दौरान सामने नहीं आई? यदि फाइलें गायब हैं तो उनकी जिम्मेदारी किस अधिकारी या कर्मचारी की बनती है?

उपाध्यक्ष के इस पत्र ने बैंक के भीतर चल रही कथित खींचतान को सार्वजनिक कर दिया है,पत्र में सीईओ पर बैंक हित में काम नहीं करने,कुछ दीर्घकालीन कर्मचारियों के साथ कथित मिलीभगत,बैंक के अभिलेखों से दो कर्मचारियों की फाइलें गायब होने की जानकारी, कर्मचारियों को फर्जी शिकायतों के माध्यम से कार्रवाई की धमकी दिए जाने और उन्हें भय एवं मानसिक दबाव में काम करने के लिए मजबूर किए जाने जैसे आरोप लगाए गए हैं,इतना ही नहीं, वर्तमान धान खरीदी व्यवस्था के बीच खरीदी केंद्रों से 10 क्विंटल सुतली और 10 नग त्रिपाल की आपूर्ति के लिए मांग पत्र मांगे जाने तथा मांग पत्र नहीं भेजने पर कार्रवाई की धमकी दिए जाने का मुद्दा भी पत्र में उठाया गया है, यह शिकायत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बैंक के उपाध्यक्ष ने केवल असंतोष जाहिर नहीं किया,बल्कि सीधे राज्य सहकारी बैंक के प्रबंध संचालक से सीईओ को अन्यत्र स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है,अब सवाल यह है कि आखिर बैंक के भीतर ऐसी कौन-सी परिस्थितियां बन गईं कि निर्वाचित उपाध्यक्ष को अपने ही बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के विरुद्ध शासन और उच्च प्रबंधन तक शिकायत पहुंचानी पड़ी?

फर्जी शिकायतों से कार्रवाई की धमकी,कर्मचारी भय और मानसिक दबाव में?-उपाध्यक्ष ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि बैंक के सभी कर्मचारियों को फर्जी शिकायत करवाकर कार्रवाई किए जाने की धमकी दी जाती है,पत्र के अनुसार इस तरह की परिस्थितियों के कारण बैंक के कर्मचारी भय और मानसिक दबाव में काम कर रहे हैं, उपाध्यक्ष ने इसे बैंक के भविष्य के लिए उचित नहीं बताया है,यह आरोप बैंक के आंतरिक प्रशासनिक वातावरण को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है,बैंक में कर्मचारियों से नियमों के अनुसार काम लेना प्रबंधन की जिम्मेदारी है, लेकिन यदि शिकायतों और विभागीय कार्रवाई की धमकी के कारण कर्मचारी दबाव में काम कर रहे हैं,तो इसका असर बैंक की कार्यक्षमता और निर्णय प्रक्रिया पर पड़ सकता है,दूसरी ओर,शिकायतों पर कार्रवाई करना भी प्रशासनिक अधिकार का हिस्सा है,लेकिन शिकायत वास्तविक है या फर्जी,यह जांच और प्रमाण से तय होना चाहिए,ऐसे में सबसे जरूरी सवाल यह है कि क्या बैंक में कर्मचारियों के विरुद्ध लगातार शिकायतें की जा रही हैं? क्या उन शिकायतों की निष्पक्ष जांच होती है? क्या कार्रवाई की धमकी दिए जाने के संबंध में कर्मचारियों ने कभी लिखित शिकायत की है? क्या बैंक प्रबंधन ने कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने के लिए कोई व्यवस्था बनाई है? उपाध्यक्ष के पत्र में लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच इन सभी सवालों का जवाब दे सकती है।

दो कर्मचारियों की फाइलें गायब होने का आरोप,रिकॉर्ड की सुरक्षा पर सवाल-पत्र का सबसे संवेदनशील हिस्सा बैंक के अभिलेखों से दो दीर्घकालीन कर्मचारियों की फाइलें गायब होने की जानकारी से जुड़ा है, सहकारी बैंक में कर्मचारियों के सेवा संबंधी दस्तावेजों का अपना प्रशासनिक और कानूनी महत्व होता है,किसी कर्मचारी की नियुक्ति, सेवा अवधि,पदोन्नति,वेतन निर्धारण, अनुशासनात्मक कार्रवाई और अन्य महत्वपूर्ण निर्णय इन्हीं रिकॉर्ड पर आधारित होते हैं,यदि किसी कर्मचारी की फाइल उपलब्ध नहीं है तो भविष्य में उसके सेवा संबंधी अधिकारों और विभागीय प्रक्रिया को लेकर विवाद पैदा हो सकता है,इसलिए यह विषय केवल दो कर्मचारियों की फाइलों तक सीमित नहीं है, बल्कि बैंक के अभिलेखों की विश्वसनीयता और सुरक्षा से जुड़ा है,उपाध्यक्ष ने पत्र में फाइलें गायब होने की जानकारी का उल्लेख किया है, लेकिन पत्र में कर्मचारियों के नाम,फाइलों का क्रमांक या गायब होने की तारीख का विवरण नहीं दिया गया है,इसलिए बैंक प्रबंधन को इन तथ्यों की पुष्टि करते हुए स्पष्ट करना चाहिए कि संबंधित फाइलें वास्तव में गायब हैं या नहीं, यदि गायब हैं तो उनकी तलाश और जिम्मेदारी तय करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?



धान खरीदी केंद्रों पर 10 क्विंटल सुतली और 10 नग त्रिपाल की मांग पर भी विवाद-धान खरीदी का मौसम शुरू होने के बीच उपाध्यक्ष ने अपने पत्र में एक और महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया है,उन्होंने लिखा है कि वर्तमान समय में धान खरीदी केंद्रों से 10 क्विंटल सुतली एवं 10 नग त्रिपाल की आपूर्ति के लिए मांग पत्र मांगे जा रहे हैं, पत्र में आरोप है कि मांग पत्र नहीं भेजने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की धमकी दी जा रही है,धान खरीदी केंद्रों में सुतली और त्रिपाल जैसी सामग्री की आवश्यकता हो सकती है,लेकिन इसके लिए मांग,स्वीकृति,आपूर्ति और भुगतान की प्रक्रिया स्पष्ट होनी चाहिए,प्रत्येक केंद्र की वास्तविक जरूरत के अनुसार सामग्री की मांग होनी चाहिए और उसका रिकॉर्ड भी उपलब्ध रहना चाहिए,यदि किसी केंद्र से निर्धारित मात्रा में मांग पत्र भेजने का दबाव बनाया जा रहा है,तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि इस मात्रा का निर्धारण किस आधार पर किया गया है,उपाध्यक्ष ने इस मुद्दे को भी अपने पत्र में शामिल कर यह संकेत दिया है कि बैंक के भीतर केवल कर्मचारियों के साथ व्यवहार ही नहीं,बल्कि धान खरीदी से जुड़ी प्रशासनिक प्रक्रिया को लेकर भी असंतोष है,अब बैंक प्रबंधन को बताना चाहिए कि 10 क्विंटल सुतली और 10 नग त्रिपाल की मांग किस आदेश या आवश्यकता के आधार पर की जा रही है? क्या सभी खरीदी केंद्रों के लिए यह मात्रा निर्धारित की गई है? मांग पत्र नहीं भेजने पर कार्रवाई की धमकी दिए जाने के आरोपों में कितनी सच्चाई है?

आखिर उपाध्यक्ष को स्थानांतरण की मांग क्यों करनी पड़ी?-पत्र के अंतिम हिस्से में उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद साहू ने प्रबंध संचालक से अनुरोध किया है कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अंबिकापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीकांत चंद्राकर का अन्य स्थान पर स्थानांतरण किया जाए,ताकि बैंक हित में कार्य हो सके और बैंक के कर्मचारी भयमुक्त होकर अपना काम कर सकें,यहां सबसे बड़ा सवाल यही है कि बैंक के उपाध्यक्ष को सीईओ के स्थानांतरण की मांग करने की नौबत क्यों आई? क्या बैंक के भीतर अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच समन्वय की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि निर्वाचित प्रतिनिधि को उच्च प्रबंधन से हस्तक्षेप की मांग करनी पड़ रही है? क्या बैंक के कर्मचारियों ने भी इस संबंध में अपनी शिकायतें दर्ज कराई हैं? क्या उपाध्यक्ष ने यह शिकायत किसी विशेष घटना के बाद की है या लंबे समय से चल रही प्रशासनिक परिस्थितियों के कारण यह कदम उठाया गया है? पत्र में इन सवालों का पूरा विवरण नहीं दिया गया है,लेकिन जिस तरह गंभीर आरोपों के साथ स्थानांतरण की मांग की गई है,उससे यह मामला केवल व्यक्तिगत असहमति का नहीं रह जाता, इसकी निष्पक्ष जांच और दोनों पक्षों का पक्ष सामने आना जरूरी हो जाता है।

मुख्यमंत्री और सहकारिता मंत्री तक पहुंची शिकायत-उपाध्यक्ष ने अपने पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप को भी भेजी है, इसके अतिरिक्त आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं,छत्तीसगढ़ नया रायपुर को भी प्रतिलिपि प्रेषित की गई है,इससे स्पष्ट है कि शिकायत को राज्य स्तर के उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाने का प्रयास किया गया है,अब देखना होगा कि राज्य सहकारी बैंक का प्रबंधन और सहकारिता विभाग इस शिकायत पर क्या कदम उठाते हैं,क्या उपाध्यक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच के लिए स्वतंत्र अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे? क्या बैंक के रिकॉर्ड की जांच होगी? क्या संबंधित कर्मचारियों से बयान लिए जाएंगे? क्या धान खरीदी केंद्रों से सुतली और त्रिपाल की मांग से जुड़े आदेश और रिकॉर्ड की समीक्षा होगी? और सबसे महत्वपूर्ण, क्या सीईओ श्रीकांत चंद्राकर से इन आरोपों पर लिखित जवाब मांगा जाएगा?

बैंक की साख और कर्मचारियों का भरोसा दांव पर-जिला सहकारी केंद्रीय बैंक किसानों, सहकारी समितियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी महत्वपूर्ण वित्तीय संस्था है,ऐसे संस्थान में प्रशासनिक पारदर्शिता,कर्मचारियों का विश्वास और रिकॉर्ड की सुरक्षा बेहद जरूरी है,यदि बैंक के भीतर ही कर्मचारियों के भय और मानसिक दबाव में काम करने की स्थिति बन रही है,तो इसका असर बैंक की कार्यप्रणाली पर पड़ना स्वाभाविक है,उपाध्यक्ष के पत्र में लगाए गए आरोप सही हैं या नहीं,इसका फैसला जांच के बाद ही हो सकता है,लेकिन शिकायत में उठाए गए मुद्दे इतने गंभीर हैं कि उन्हें केवल आंतरिक विवाद बताकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए,बैंक प्रबंधन को आरोपों पर बिंदुवार स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए,जिन फाइलों के गायब होने की बात कही गई है,उनकी स्थिति सार्वजनिक की जानी चाहिए,कर्मचारियों को धमकी दिए जाने के आरोपों की जांच होनी चाहिए और धान खरीदी सामग्री की मांग की प्रक्रिया भी पारदर्शी बनाई जानी चाहिए,अब सवाल केवल सीईओ के स्थानांतरण का नहीं, बल्कि बैंक के भीतर प्रशासनिक व्यवस्था और जवाबदेही का है,क्या राज्य सहकारी बैंक और सहकारिता विभाग इस शिकायत पर निष्पक्ष जांच कराएंगे या उपाध्यक्ष का यह पत्र भी सरकारी दफ्तरों की फाइलों में सीमित होकर रह जाएगा? बैंक के कर्मचारियों,सहकारी समितियों और किसानों की निगाहें अब शासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

113 करोड़ रुपये के साइबर ठगी नेटवर्क का सूरजपुर से जुड़ा तार,दो आरोपी गिरफ्तार

21 राज्यों के 150 बैंक खाताधारकों की शिकायतों में सामने आया 1,13,32,09,604 रुपये का संदिग्ध लेनदेन..शिक्षा विकास संस्था के बैंक खाते का इस्तेमाल,कमीशन के रूप में 13 लाख रुपये मिलने का खुलासा

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

देशभर में फैले साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क से जुड़े बैंक खाते के मामले में सूरजपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, पुलिस जांच में भारतीय स्टेट बैंक की सूरजपुर शाखा में संचालित एक संस्था के बैंक खाते के माध्यम से 21 राज्यों के 150 खाताधारकों की शिकायतों से जुड़े कुल 113 करोड़ 32 लाख 9 हजार 604 रुपये के लेनदेन का खुलासा हुआ है,पुलिस के अनुसार, यह रकम साइबर ठगी से जुड़ी बताई गई है,मामले में कमीशन के रूप में 13 लाख रुपये प्राप्त होने और उसे अलग-अलग लोगों के बीच बांटे जाने की जानकारी भी सामने आई है,पुलिस के मुताबिक,भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के समन्वय पोर्टल ज्वाइंट साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन टीम मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (जेसीसीटीएमएस) के माध्यम से विभिन्न बैंकों में संचालित संदिग्ध खातों की जानकारी प्राप्त हुई थी,इसी सूची के आधार पर जांच शुरू की गई,जांच के दौरान सूरजपुर के एक बैंक खाते से साइबर ठगी की रकम के बड़े पैमाने पर लेनदेन का पता चला।

संस्था के नाम पर खुलवाया गया था बैंक खाता-जांच में सामने आया कि देवनारायण चक्रधारी और महेश कुमार चक्रधारी ने मिलकर भारतीय स्टेट बैंक की सूरजपुर शाखा में डीएन चक्रधारी एजुकेशन डेवलपमेंट एसोसिएशन नामक संस्था के नाम से पंजीयन कराकर बैंक खाता खुलवाया था,पुलिस ने खाते से संबंधित केवाईसी और बैंक विवरण प्राप्त कर जांच की,पुलिस के अनुसार, इस बैंक खाते के



संबंध में देश के 21 राज्यों के 150 खाताधारकों ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतों की जांच में कुल 1,13,32,09,604 रुपये की साइबर ठगी की रकम का इस खाते के माध्यम से लेनदेन होना सामने आया,इसके बाद थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 107/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(4),318(6), 61(2)(ए) और 3(5) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

13 करोड़ के लेनदेन पर 13 लाख रुपये कमीशन मिलने का खुलासा-पुलिस की विवेचना में सामने आया कि 23 अप्रैल 2025 से 29 अप्रैल 2025 के बीच देवनारायण चक्रधारी के एसबीआई खाते में लगभग 13 करोड़ रुपये की ठगी की रकम का लेनदेन हुआ था,पुलिस के अनुसार, इसी रकम के लेनदेन के बदले कमीशन के रूप में कुल 13 लाख रुपये प्राप्त हुए थे,इस कमीशन की रकम को जिशान खान द्वारा चेक और एटीएम के माध्यम से बैंक से निकाले जाने की जानकारी जांच में सामने आई,पुलिस ने कमीशन की रकम के बंटवारे को लेकर भी जानकारी जुटाई है। जांच के अनुसार,देवनारायण चक्रधारी को 8 लाख रुपये, अमन पासवान को 2 लाख रुपये और जिशान खान को 2.5 लाख रुपये प्राप्त हुए, आरोपियों ने इस रकम को खर्च करना बताया है, पुलिस के अनुसार,इस प्रकरण में देवनारायण चक्रधारी को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया जा चुका है।

मुखबिर की सूचना पर दो आरोपी गिरफ्तार-पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के निर्देश पर साइबर धोखाधड़ी और ऑनलाइन ठगी से जुड़े मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही थी,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन और नगर पुलिस अधीक्षक विशाल गर्ग के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर की टीम लगातार आरोपियों की पतासाजी कर रही थी,इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना और तकनीकी सहायता के आधार पर पुलिस ने दबिश देकर अमन पासवान (32 वर्ष),पिता श्रीराम पासवान, निवासी पंखानजूर, जिला कांकेर तथा जिशान रजा (30 वर्ष),पिता रियाजुल खान,निवासी नावापारा,सूरजपुर को पकड़ा, पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

एक अन्य आरोपी की तलाश जारी-पुलिस के मुताबिक,इस मामले में एक अन्य आरोपी अभी फरार है,जिसकी तलाश की जा रही है,गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और बैंक खातों से जुड़े दस्तावेजों के आधार पर विवेचना आगे बढ़ाई जा रही है,कार्रवाई में थाना प्रभारी सूरजपुर प्रहलाद यादव,उपनिरीक्षक सकलूराम भगत और उनकी टीम की सक्रिय भूमिका रही,देश के 21 राज्यों के 150 खाताधारकों की शिकायतों से जुड़े इस मामले में 113 करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन का सामने आना साइबर अपराध के व्यापक नेटवर्क की ओर संकेत करता है,अब जांच का महत्वपूर्ण पहलू यह होगा कि इस खाते में आई रकम किन-किन खातों में भेजी गई।

CMYK

सड़क संधारण में लापरवाही पर ठेकेदारों की खैर नहीं,बैंक गारंटी होगी राजसात!

चार जिलों में निर्माण कार्यों की खुली पोल,लोक निर्माण सचिव ने ठेकेदारों पर दिखाई सख्ती...

सड़क खराब मिली तो ठेकेदार होंगे ब्लैकलिस्ट...निर्माण में देरी पर भी नोटिस का निर्देश...





लोक निर्माण सचिव का चार जिलों में औचक निरीक्षण,लापरवाह ठेकेदारों पर कार्रवाई के निर्देश

सड़कों की बदहाली और निर्माण में देरी पर विभाग सख्त, बैंक गारंटी जब्ती की तैयारी...

प्रतापपुर से मैनपाट तक निर्माण कार्यों की पड़ताल,सचिव ने मौके पर तय की जवाबदेही...

89 करोड़ की सड़क से लेकर मेडिकल कॉलेज तक निरीक्षण,गुणवत्ता और समय-सीमा पर सचिव का जोर...

दरिमा-मैनपाट और बरियो-धौरपुर मार्ग के ठेकेदारों को नोटिस,सुधार नहीं होने पर ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश

सूरजपुर में बिशुनपुर-ओड़गी मार्ग पर डामरीकरण तत्काल शुरू कराने को कहा, तारा-प्रेमनगर मार्ग के लिए जून 2027 की समय-सीमा

कॉलेज भवन के स्लैब निर्माण की तारीख तय,मेडिकल कॉलेज अस्पताल की धीमी प्रगति पर ठेकेदार को नोटिस

-न्यूज डेस्क-

सूरजपुर/अंबिकापुर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सड़कों के संधारण में लापरवाही और निर्माण कार्यों की धीमी रफ्तार पर अब लोक निर्माण विभाग ने सख्त रुख अपनाया है, विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने लगातार दो दिनों तक जशपुर,सरगुजा,सूरजपुर और बलरामपुर-रामानुजगंज जिलों में विभिन्न निर्माण एवं संधारण कार्यों का मौके पर निरीक्षण कर अधिकारियों और ठेकेदारों को कड़े निर्देश दिए,उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क संधारण में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों की बैंक गारंटी राजसात करने की प्रक्रिया शुरू की जाए और सुधार नहीं होने पर उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाए,धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्यों पर संबंधित ठेकेदारों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

निरीक्षण के दौरान सचिव ने सड़कों,पुल

पुलियों,कॉलेज भवनों,मेडिकल कॉलेज अस्पताल,एयरपोर्ट और अन्य विभागीय निर्माण कार्यों की प्रगति तथा गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी और गुणवत्ता से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी कार्यों की नियमित निगरानी हो और निर्धारित समय-सीमा में उन्हें पूरा कराया जाए, सचिव बंसल ने प्रमुख अभियंता व्ही.के. भतपहरी,अंबिकापुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता के.पी. संत,अंबिकापुर मंडल के अधीक्षण अभियंता आर.एस.तोमर सहित संबंधित संभागों के कार्यपालन अभियंताओं,अनुविभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ विभिन्न निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान जशपुर,मनोरा,सन्ना,बगीचा,कांसाबेल, बागबहार,कोतबा,लुड़ेग,सीतापुर, पत्थलगांव,मैनपाट,दरिमा,राजपुर, प्रतापपुर,भैयाथान और सूरजपुर सहित कई स्थानों पर सड़क एवं निर्माण कार्यों की स्थिति देखी गई।



दरिमा-मैनपाट और बरियो-धौरपुर मार्ग के ठेकेदारों पर कार्रवाई के निर्देश- सरगुजा जिले में दरिमा-मैनपाट और बरियो-धौरपुर मार्ग के निरीक्षण के दौरान संधारण अवधि में अपेक्षित रखरखाव नहीं किए जाने की स्थिति सामने आई। इस पर सचिव ने दोनों मार्गों के संबंधित ठेकेदारों की बैंक गारंटी राजसात करने के संबंध में नियमानुसार नोटिस जारी करने के निर्देश दिए,उन्होंने कहा कि यदि ठेकेदार संधारण कार्य में लापरवाही बरतते हैं तो उनके विरुद्ध ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए,दरिमा-मैनपाट मार्ग पर रिटेनिंग वॉल, पुल-पुलियों और गार्डवॉल की पेंटिंग कराने के निर्देश भी दिए गए,वहीं सोनतराई-मैनपाट मार्ग पर कमलेश्वरपुर थाना चौक से कैंप नंबर-2 मंदिर तक 1.20 किलोमीटर लंबाई में फोरलेन सड़क निर्माण के लिए संशोधित प्राक्कलन तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा गया।

कॉलेज और मेडिकल कॉलेज निर्माण की धीमी रफ्तार पर सख्ती- कमलेश्वरपुर में निर्माणाधीन कॉलेज भवन का निरीक्षण करते हुए सचिव ने निर्माण कार्य के लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की,उन्होंने आगामी 15 दिसंबर तक भूतल के 50 प्रतिशत स्लैब की ढलाई और 15 जनवरी 2027 तक भूतल का पूरा स्लैब निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए,उन्होंने कॉलेज निर्माण के लिए चिह्नांकित भूमि का सीमांकन कराने और अवैध कब्जा पाए जाने पर कलेक्टर से समन्वय कर उसे हटाने की कार्रवाई करने को कहा,भवन की सुरक्षा के लिए टाटा वायरॉन फेंसिंग कराने के निर्देश भी दिए गए,मेडिकल कॉलेज अस्पताल भवन के निर्माण में धीमी प्रगति पर सचिव ने संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने को कहा,निर्माण की गुणवत्ता और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए अनुभवी अभियंता नियुक्त करने के निर्देश दिए गए,निगरानी व्यवस्था के तहत उप अभियंता को प्रतिदिन, अनुविभागीय अधिकारी को दो दिन में एक बार तथा अधीक्षण अभियंता और मुख्य अभियंता को प्रत्येक 30 दिन में निरीक्षण करने की जिम्मेदारी दी गई,कार्यपालन अभियंता को भी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

89 करोड़ से अधिक की लागत वाले राजपुर-प्रतापपुर मार्ग का निरीक्षण- बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में सचिव ने केंद्रीय सड़क निधि योजना के अंतर्गत उन्नयन एवं मजबूतीकरण किए गए राजपुर-प्रतापपुर मार्ग का निरीक्षण किया, लगभग 29.20 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का इसी वर्ष जनवरी में 89 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से उन्नयन और मजबूतीकरण किया गया है,यह सड़क पांच वर्ष की परफॉर्मेंस गारंटी अवधि में है,सचिव ने सड़क की मौजूदा स्थिति और संधारण व्यवस्था का जायजा लिया,दो दिवसीय निरीक्षण के दौरान सचिव ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी,गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन और सड़क संधारण में तत्परता बरतने के निर्देश दिए, उन्होंने स्पष्ट किया कि ठेकेदारों की जिम्मेदारी केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि अनुबंध के तहत निर्धारित संधारण अवधि में सड़क की स्थिति बनाए रखना भी उनकी जवाबदेही है,अब विभागीय निर्देशों के बाद निगाहें इस बात पर रहेंगी कि जिन मार्गों पर लापरवाही सामने आई है,वहां वास्तव में सुधार होता है या नहीं और संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध बैंक गारंटी राजसात करने तथा ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई कितनी आगे बढ़ती है।

दरिमा एयरपोर्ट की सड़क और बाउंड्रीवॉल पर भी ध्यान

दरिमा एयरपोर्ट के निरीक्षण के दौरान सचिव ने टर्मिनल भवन के सामने सड़क की रि-कारपेटिंग कराने तथा एयरपोर्ट के किनारे बीसीएएस मानकों के अनुरूप बाउंड्रीवॉल निर्माण का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए,परिसर में घास की कटाई तत्काल शुरू कराने को भी कहा गया,उन्होंने लोक निर्माण विभाग के संभागीय कार्यालय भवन और सड़क परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई,छत के रखरखाव तथा परिसर से घास-फूस और खरपतवार हटाने के निर्देश दिए। कार्यालय परिसर में बाउंड्रीवॉल,शेड निर्माण,क्वार्टरों की मरम्मत और जल निकासी व्यवस्था के लिए प्राक्कलन तैयार करने को कहा गया,दरवाजों और खिड़कियों की मरम्मत सहित आवश्यक कार्यों को नियमानुसार स्वीकृति लेकर शुरू करने के निर्देश भी दिए गए।

सूरजपुर में डामरीकरण तत्काल शुरू करने के निर्देश

सूरजपुर जिले में सचिव ने बिशुनपुर-सूरजपुर-ओड़गी मार्ग का निरीक्षण किया, उन्होंने सड़क पर डामरीकरण का कार्य तत्काल शुरू कराने और उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए,इसके अलावा 27 किलोमीटर लंबे तारा-प्रेमनगर-रामानुजनगर-कृष्णपुर मार्ग के निर्माण कार्य की प्रगति भी देखी,निरीक्षण के दौरान ठेकेदार ने बताया कि लगभग 10 किलोमीटर सड़क पर डब्ल्यूएमएम का कार्य पूरा कर लिया गया है और बैच मिक्स प्लांट स्थापित हो चुका है,अगले तीन-चार दिनों में प्लांट का कैलिब्रेशन सहित आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर डामरीकरण शुरू करने की जानकारी दी गई,ठेकेदार ने जून 2027 तक अनुबंध के सभी कार्य पूरे करने का आश्वासन दिया,इस पर सचिव ने डामरीकरण शीघ्र शुरू कर गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए,सचिव ने सूरजपुर स्थित कलेक्टर बंगले में अतिरिक्त कक्ष निर्माण,सूरजपुर ऑडिटोरियम के मरम्मत कार्य और जिले में चल रहे अन्य निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की।

किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए किसान कांग्रेस की बड़ी पहल,प्रेम सागर तिवारी ने दी कंट्रोल रूम की जानकारी

दीपक बैज ने राजीव भवन में किया प्रदेश स्तरीय कंट्रोल रूम का उद्घाटन,प्रदेश के सभी 3100 धान खरीदी केंद्रों पर गठित होंगी 10 सदस्यीय निगरानी एवं किसान सहयोग समितियां

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव प्रेम सागर तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में धान खरीदी के दौरान किसानों को होने वाली समस्याओं के त्वरित निराकरण और खरीदी व्यवस्था की निगरानी के लिए प्रदेश कांग्रेस ने महत्वपूर्ण पहल की है,प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री दीपक बैज ने आज रायपुर स्थित राजीव भवन में छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस द्वारा स्थापित प्रदेश स्तरीय कंट्रोल रूम का विधिवत उद्घाटन किया। प्रेम सागर तिवारी ने बताया कि इस कंट्रोल रूम के माध्यम से प्रदेशभर के किसानों की समस्याओं,शिकायतों और धान खरीदी व्यवस्था से जुड़ी परेशानियों पर लगातार नजर रखी जाएगी, किसानों को धान बेचने के दौरान टोकन,रकबा सत्यापन और अन्य प्रक्रियाओं में आने वाली दिक्कतों को गंभीरता से लेते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक पहल की जाएगी,उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी 3100 धान उपार्जन केंद्रों पर कांग्रेस कमेटी के पांच सदस्यों एवं किसान कांग्रेस के पांच सदस्यों को मिलाकर कुल 10 सदस्यीय 'धान खरीदी निगरानी एवं किसान सहयोग समिति' का गठन किया जा रहा है,ये समितियां अपने-अपने क्षेत्रों में धान खरीदी व्यवस्था की निगरानी करेंगी तथा किसानों की समस्याओं को संगठन के माध्यम से प्रदेश स्तर तक पहुंचाने का कार्य करेंगी।



टोकन,रकबा सत्यापन और धान खरीदी की समस्याओं के लिए जारी हुआ हेल्पलाइन नंबर- किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश स्तरीय कंट्रोल रूम के लिए हेल्पलाइन नंबर 0771-4500780 जारी किया गया है, किसान धान खरीदी, रकबा सत्यापन,टोकन एवं अन्य समस्याओं से संबंधित अपनी शिकायतें इस नंबर पर दर्ज करा सकेंगे,कंट्रोल रूम के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को संकलित कर उनके निराकरण के लिए संबंधित स्तर पर आवाज उठाई जाएगी,प्रेम सागर तिवारी ने कहा कि प्रदेश के सभी धान उपार्जन केंद्रों पर निगरानी समितियों के गठन से किसानों की समस्याओं की जानकारी सीधे संगठन तक पहुंचेगी, इससे धान खरीदी प्रक्रिया के दौरान आने वाली परेशानियों को समय रहते सामने लाने और उनके समाधान के लिए प्रभावी पहल करने में मदद मिलेगी।

किसान हितों को लेकर संगठन की सक्रिय पहल- उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तरीय कंट्रोल रूम की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य किसानों को धान खरीदी के दौरान होने वाली अनावश्यक परेशानियों से राहत दिलाना और उनकी समस्याओं को उचित मंच पर उठाना है। प्रदेश के प्रत्येक धान खरीदी केंद्र पर गठित होने वाली समितियां किसानों के सहयोग के साथ खरीदी व्यवस्था की निगरानी भी करेंगी।

कोरिया में 622 स्काउट्स-गाइड्स ने सीखे सेवा,अनुशासन और आत्मनिर्भरता के गुर

पांच प्रशिक्षण केंद्रों पर 17 से 21 नवंबर तक आयोजित हुआ द्वितीय सोपान प्रशिक्षण सह जांच शिविर,285 स्काउट्स और 337 गाइड्स हुए शामिल...नेतृत्व क्षमता,प्राथमिक उपचार,आपदा प्रबंधन और टेंट निर्माण का मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण





-संवाददाता-

बैकुंठपुर,22 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता,अनुशासन, आत्मविश्वास और समाज सेवा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ कोरिया द्वारा पांच दिवसीय विकासखंड स्तरीय द्वितीय सोपान स्काउट-गाइड प्रशिक्षण सह जांच शिविर का आयोजन किया गया,17 से 21 नवंबर 2026 तक जिले के पांच अलग-अलग प्रशिक्षण केंद्रों में आयोजित इस शिविर में विभिन्न विद्यालयों के कुल 622 विद्यार्थी शामिल हुए। इनमें 285 स्काउट्स और 337 गाइड्स ने प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त स्काउट जितेंद्र कुमार गुप्ता के आदेशानुसार,राज्य मुख्यालय आयुक्त स्काउट शैलेन्द्र कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन तथा जिला संगठन आयुक्त स्काउट नागेश्वर साहू के नेतृत्व में शिविर आयोजित किया गया,प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चले प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को स्काउटिंग एवं गाइडिंग के सिद्धांतों के साथ जीवन में उपयोगी विभिन्न कौशलों का व्यावहारिक ज्ञान दिया गया।

पांच केंद्रों पर हुआ प्रशिक्षण का आयोजन- जिले में प्रशिक्षण के लिए पांच केंद्र निर्धारित किए गए थे,शासकीय आदर्श रामानुज बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर में आयोजित शिविर का संचालन एग्नेस आनंद दास,केशव प्रसाद साहू,अमरनाथ सिंह,श्वेता सांडे और खुशी तिवारी ने किया,स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पटना में जिला संगठन आयुक्त गाइड आशा एक्का, शकुंतला लकड़ा,ट्रेनिंग काउंसलर अपूर्वा द्विवेदी,शुक्लाराम भगत,विकासखंड सचिव बैकुंठपुर शिवप्रताप सिंह और हंसा सिन्हा ने प्रशिक्षण संचालन में भूमिका निभाई, सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चरचा में जिला सचिव सुरेंद्र कुमार,जिला मीडिया प्रभारी रवि प्रसाद बैगा, निशांत आरा,सुकन्या और कौशल्या ने शिविर का संचालन किया,शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चित्ताझर पोड़ी में जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट सुनील बड़ा,ट्रेनिंग काउंसलर धनमत पड़ौती,ममता सिंह,अनिल कुमार, विकल्प श्रीवास्तव और श्रेया गुप्ता ने प्रशिक्षण दिया,वहीं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सकरिया में डॉ. उत्तम कुमार साहू,रविन्द्र कुमार,चंद्रिका सिरदार, उमा साहू,यामिनी टंडन,धन कुमारी और प्रवीण मिंज ने प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन किया।

प्राथमिक उपचार से लेकर आपदा प्रबंधन तक मिला व्यावहारिक ज्ञान- पांच दिवसीय शिविर में विद्यार्थियों को स्काउटिंग आंदोलन के इतिहास और मूलभूत सिद्धांतों के साथ स्काउट-गाइड नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना और ध्वज शिष्टाचार की जानकारी दी गई,इसके अलावा मार्च पास्ट, गांठ एवं बंधन,प्राथमिक उपचार,आपदा प्रबंधन,अनुमान लगाने की विधियां, दिशा ज्ञान,संकेत एवं संचार जैसे विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया,विद्यार्थियों ने टेंट निर्माण,बिना बर्तनों के भोजन बनाने की कला,स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सेवा से जुड़ी गतिविधियों में भी भाग लिया,प्रशिक्षण के दौरान उन्हें समूह में कार्य करने,जिम्मेदारियों का निर्वहन करने, कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने और समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया गया।

व्यक्तित्व विकास के साथ जिम्मेदार नागरिक बनाने की पहल- स्काउट-गाइड प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल गतिविधियों का ज्ञान देना नहीं,बल्कि उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना भी है,इस प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता, नेतृत्व कौशल,समय प्रबंधन, सहयोग और अनुशासन जैसे गुण विकसित करने पर जोर दिया गया,प्राथमिक उपचार एवं आपदा प्रबंधन का व्यावहारिक ज्ञान आपातकालीन परिस्थितियों में स्वयं के साथ दूसरों की सहायता करने में उपयोगी होगा,वहीं प्रकृति के बीच प्रशिक्षण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में प्राकृतिक संसाधनों के प्रति संवेदन शीलता विकसित करने का प्रयास किया गया, स्काउटिंग विद्यार्थियों को समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध कराती है। सेवा,सहयोग, मानवीय संवेदना और अनुशासन जैसे संस्कार उनके शैक्षणिक जीवन के साथ सामाजिक व्यवहार में भी उपयोगी साबित हो सकते हैं।

जिला संघ ने जताया आभार- शिविर के सफल आयोजन और विद्यार्थियों की सहभागिता पर कलेक्टर एवं पदेन संरक्षक रोक्तिमा यादव,जिला अध्यक्ष राजीव पाठक,उपाध्यक्ष प्यारेलाल साहू, सुभाष साहू,रंजीत प्रसाद मंडल,गायत्री सिंह,अनीता तिवारी एवं पूनम यादव,जिला मुख्य आयुक्त रामप्रताप सिंह मरावी,जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त स्काउट जितेंद्र कुमार गुप्ता,राज्य मुख्यालय आयुक्त स्काउट शैलेन्द्र कुमार मिश्रा,जिला कोषाध्यक्ष रवि कुमार पाण्डेय,जिला सचिव सुरेंद्र कुमार,जिला संगठन आयुक्त स्काउट नागेश्वर साहू,जिला संगठन आयुक्त गाइड आशा एक्का,जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट सुनील बड़ा,जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड निशा खान,जिला क्वार्टर मास्टर अमरनाथ सिंह और जिला मीडिया प्रभारी रवि प्रसाद बैगा ने प्रसन्नता व्यक्त की, इसके साथ ही ट्रेनिंग काउंसलर डॉ. उत्तम कुमार साहू,धनमत पड़ौती,अपूर्वा द्विवेदी,अजय कुमार ठाकुर,विकासखंड सचिव बैकुंठपुर शिवप्रताप सिंह एवं विकासखंड सचिव सोनहत श्याम कुमार आंडिल सहित जिले के स्काउट-गाइडर, विद्यालयों के प्राचार्यों और संबंधित पदाधिकारियों ने आयोजन की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की,जिला संघ कोरिया ने उम्मीद जताई कि पांच दिवसीय प्रशिक्षण सह जांच शिविर से विद्यार्थियों में अनुशासन,आत्मविश्वास,नेतृत्व क्षमता और समाज सेवा की भावना को मजबूती मिलेगी। यह पहल उन्हें भविष्य में जिम्मेदार,आत्मनिर्भर और संवेदनशील नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करेगी।

CMYK



दिलजीत को महिला फैन ने किया किस,सिंगर का रिएक्शन चर्चा में...

पंजाबी सिंगर और अभिनेता दिलजीत दोसांझ एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। इस बार वजह उनका कोई नया गाना या फिल्म नहीं, बल्कि एक कॉन्सर्ट के दौरान सामने आया वीडियो है। वायरल हो रहे वीडियो को लेकर दावा किया जा रहा है कि एक महिला प्रशंसक ने दिलजीत दोसांझ को रोकने के बावजूद किस कर लिया। इस घटना के बाद सिंगर की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। वीडियो को लेकर प्रशंसकों के बीच कलाकारों की निजी सीमाओं और उनके प्रति सम्मान को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। दिलजीत दोसांझ अपनी गायकी,अभिनय और लाइव परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं। उनके कॉन्सर्ट में बड़ी संख्या में प्रशंसक पहुंचते हैं। ऐसे कार्यक्रमों में कलाकार और दर्शकों के बीच बातचीत के कई यादगार पल सामने आते हैं। हालांकि,इस बार वायरल वीडियो में कथित तौर पर महिला प्रशंसक द्वारा सिंगर की इच्छा के विपरीत उन्हें किस किए जाने की घटना चर्चा में है। यह घटना शनिवार, 21 नवंबर 2026 को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित दिलजीत दोसांझ के ऑरा इंडिया टूर के दौरान हुई। कॉन्सर्ट में एक विदेशी महिला प्रशंसक को मंच पर आने और सिंगर के साथ डांस करने का अवसर मिला। वायरल वीडियो में महिला दिलजीत के करीब आती दिखाई देती है। जब वह उन्हें किस करने के लिए आगे बढ़ती है,तो दिलजीत शुरुआत में अपना हाथ उठाते हैं। इसे महिला को रोकने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि,बाद में महिला उनके गाल पर किस करती है। इस अप्रत्याशित घटना के बाद दिलजीत दोसांझ ने नाराजगी जाहिर करने के बजाय हल्के-फुल्के अंदाज में बातचीत जारी रखी। उन्होंने महिला प्रशंसक का अपने शो में आने के लिए धन्यवाद किया। इस दौरान उन्होंने अंग्रेजी को लेकर मजेदार टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी अंग्रेजी भले ही हैंडसम न हो,लेकिन वह खुद हैंडसम हैं। उनकी इस टिप्पणी और प्रतिक्रिया का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया। दिलजीत की टीम ने भी इस पल का वीडियो इंस्टाग्राम पर साझा किया है। वीडियो में दिलजीत दोसांझ महिला प्रशंसक के साथ बातचीत करते हुए दिखाई देते हैं। इसके बाद वह उसे एक उपहार भी देते हैं। मंच से जाने से पहले महिला ने दिलजीत को गले लगाया और उनके गाल पर किस किया। इसके बाद महिला मंच से चली गई और सिंगर ने अपना प्रदर्शन जारी रखा। इस पूरे घटनाक्रम में दिलजीत की प्रतिक्रिया ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने स्थिति को सहज तरीके से संभालने की कोशिश की और कार्यक्रम जारी रखा। हालांकि,वीडियो में उनके शुरुआती हावभाव से यह संकेत मिलता है कि वह अचानक हुए शारीरिक संपर्क के लिए तैयार नहीं थे। अहमदाबाद कॉन्सर्ट के दौरान दिलजीत दोसांझ ने अपने कुछ गानों पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने ब्रिटिश बैंड कोल्डप्ले का उदाहरण देते हुए कहा कि विदेशी कलाकारों के गानों में शराब से संबंधित शब्द होने पर आपत्ति नहीं उठाई जाती,लेकिन उनके गानों को लेकर सवाल किए जाते हैं। दिलजीत ने भारतीय और विदेशी कलाकारों के साथ अलग-अलग व्यवहार किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी बताया कि नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कोल्डप्ले का प्रदर्शन देखने के बाद उन्होंने यहां अपना शो करने का सपना देखा था। इस तरह अहमदाबाद का कॉन्सर्ट महिला प्रशंसक के साथ हुई घटना के अलावा गानों पर प्रतिबंध को लेकर दिए गए बयान के कारण भी सुर्खियों में रहा।

पैरों में आग, हाथ में तलवार थामे अक्षय कुमार ने दी धमाकेदार परफॉर्मेंस, वीडियो वायरल



ग्लोबल पीस ऑनर्स 2026 से अक्षय कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिनमें एक्टर आग वाले प्रॉप के साथ परफॉर्म करते दिख रहे हैं। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने ग्लोबल पीस ऑनर्स 2026 के दौरान मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर फायर स्टंट करके सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इवेंट के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं,जिसमें एक्टर दर्शकों के सामने फायर प्रोप के साथ प्रदर्शन करते दिख रहे हैं। अक्षय कुमार के धमाकेदार परफॉर्मेंस की सभी तारीफ कर रहे हैं। वहीं,ग्लोबल पीस ऑनर्स 2026 में टाइगर श्रॉफ ने गणेश वंदना की और शानदार परफॉर्मेंस दी।

ग्लोबल पीस ऑनर्स में छाए अक्षय कुमार

वीडियो में अक्षय कुमार ब्लैक कलर की टी-शर्ट में नजर आ रहे हैं। इसके साथ उन्होंने कैमोफ्लाज प्रिंट वाली पैंट,भूरे रंग की बेल्ट और मैचिंग क्रॉस-बॉडी स्ट्रैप पहना हुआ है। उन्होंने चमकीले नारंगी हेडस्कार्फ के साथ अपना लुक पूरा किया और अपने सिर के ऊपर एक लंबी आग का सहारा रखा हुआ था,जबकि कलाकार उनके चारों ओर डांस कर रहे थे। मंच को चमकीले लाल कपड़े से सजाया गया था, जबकि आग की लपटों और रोशनी ने प्रदर्शन में चार चांद लगा दिए।

तलवार थामे अक्षय कुमार का दमदार डांस

अक्षय कुमार ने इस प्रदर्शन में असली आग की लपटों के बीच तलवारबाजी दिखाई गई,जबकि बैकग्राउंड में तेरी मिट्टी गाना बज रहा था। इसने खतरे के बीच साहस दिखाने का दृश्य पेश किया। साथ ही यह समारोह की थीम को भी दर्शाता है, जिसमें आतंक के खिलाफ बहादुरी दिखाने वाले सुरक्षाकर्मियों और पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी गई। अभिनेता के प्रदर्शन ने जल्द ही सोशल मीडिया यूज़र्स का ध्यान खींच लिया और इस कार्यक्रम के कई क्लिप ऑनलाइन वायरल हो गए। यह पहली बार नहीं है,जब अक्षय ने लाइव दर्शकों के सामने आग से जुड़े स्टंट किए हैं। अपने एक्शन किरदारों और साहसिक कारनामों के लिए मशहूर अक्षय ने पिछले कुछ वर्षों में कई मौकों पर ऐसे स्टंट किए हैं।

ग्लोबल पीस ऑनर्स में लगा सितारों का मेला

इस कार्यक्रम में कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं, जिनमें क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और अभिनेता रणवीर सिंह, सुनील शेट्टी तथा विक्रांत मैसी आदि शामिल थे। अमृता फडणवीस द्वारा स्थापित दिव्या फाउंडेशन की ओर से आयोजित ग्लोबल पीस ऑनर्स कार्यक्रम उन लोगों को सम्मानित करता है,जिन्होंने साहस दिखाया है और आतंकवाद के खिलाफ खड़े हुए हैं। यह कार्यक्रम आतंकवादी हमलों के पीडितों को भी याद करता है और इसका उद्देश्य शांति, मानवता और एकता को बढ़ावा देना है।



जन्मदिन पर कार्तिक आर्यन ने लॉन्च किया अपना प्रोडक्शन हाउस

डोपामाइन स्टूडियोज की पहली फिल्म कालिया की दिखाई झलक

कार्तिक आर्यन ने अपने 35वें जन्मदिन पर डोपामाइन स्टूडियोज की शुरुआत की और कालिया से पर्दा उठाया। यह मॉन्स्टर थ्रिलर फिल्म उनके बैनर और धर्मा प्रोडक्शंस का पहला साझा प्रोजेक्ट है। बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने 22 नवंबर को अपने जन्मदिन के मौके पर अपने प्रोडक्शन बैनर डोपामाइन स्टूडियोज की शुरुआत की। साथ ही उन्होंने अपने पहले प्रोजेक्ट कालिया नाम की एक मॉन्स्टर थ्रिलर फिल्म का टीजर भी जारी कर दिया है। फिल्म निर्माता करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस और कार्तिक के डोपामाइन स्टूडियोज द्वारा संयुक्त रूप से पेश की जा रही यह फिल्म 5 मई 2028 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कार्तिक आर्यन के प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म का टीजर सोशल मीडिया पर छाया हुआ है।

कार्तिक आर्यन ने कालिया का किया ऐलान

सोशल मीडिया पर इस घोषणा वाले टीजर को शेयर करते हुए कार्तिक ने लिखा, श्री कृष्ण ने इसे दूर भेज दिया था। हम इंसानों ने इसे वापस बुला लिया। ढाई मिनट से ज्यादा लंबी इस क्लिप की शुरुआत एक अंधेरी रात से होती है, जहां एक मां अपने छोटे बेटे को भारतीय पौराणिक कथाओं से जुड़ी एक कहानी सुनाकर सुला रही है। कुछ दिन पहले एक्टर भाई दूज की पोस्ट को लेकर चर्चा में थे।

कालिया की कहानी क्या हो सकती है?

वह कालिया की कहानी सुनाती है, जो एक खतरनाक जीव था। उसने एक पवित्र नदी के पानी को जहरीला बना दिया था। तब भगवान कृष्ण ने उसे हराकर नदी से बाहर निकाल दिया था। जैसे ही बच्चा सो जाता है। सीन बदलकर आज के समय में आ जाता है। यह एक धुंध भरा नदी का किनारा है, जो दूर स्थित मंदिरों की रोशनी से जगमगा रहा है। पानी के किनारे कुछ हलचल महसूस होने पर एक आवारा कुत्ता अंधेरे की तरफ भौंकने लगता है। तभी अंधेरे से एक विशाल और नुकीली सरीसृप जैसी पूंछ निकलती है, जो कुत्ते को खींचकर ले जाती है। इसके बाद सरीसृप की खुलती हुई आंख का क्लोज-अप दिखाया जाता है और फिर फिल्म का टाइटल अंग्रेजी और देवनागरी में नजर आता है।

कार्तिक आर्यन और करण जौहर ने मिलाया हाथ

कालिया का निर्देशन संदीप मोदी ने किया है,जो इंटरनेशनल एमी के लिए नामांकित क्राइम ड्रामा आर्या और द नाइट मैनेजर के भारतीय रूपांतरण के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म के निर्माता करण जौहर,अदार पूनावाला,अपूर्व मेहता,सोमेन मिश्रा,मारिजके डीसूजा और कार्तिक आर्यन हैं। घोषणा में संदीप जैन और प्रवीण खैरनार को भी मुख्य टीम के सदस्यों के रूप में शामिल किया गया है।

कार्तिक आर्यन की आने वाली फिल्में

इस बीच कार्तिक को आखिरी बार रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म तू मेरी मैं तेरा,मैं तेरा तू मेरी में एक्ट्रेस अनन्या पांडे के साथ देखा गया था। वह निर्देशक अनुराग बसु के साथ एक आने वाले रोमांटिक ड्रामा पर भी काम कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ श्रीलीला नजर आएंगी। इसके अलावा, उनकी आने वाली फिल्मों में नागजिला और भूल भुलैया 4 शामिल हैं।

खेल-समाचार

इतिहास के पन्नों में दर्ज हुआ टीम इंडिया का नाम

149 साल के टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बना अनोखा विश्व रिकॉर्ड

वेलिंग्टन,22नवम्बर 2026। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में जो काम किया है,वो इससे पहले कभी देखने को नहीं मिला। टॉप 7 बल्लेबाजों के बीच कम से कम 50 रनों की साझेदारी कोई आसान काम तो है नहीं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला इस वक्त वेलिंग्टन में खेला गया। अब तक चार दिन का खेल हो गया है और भारत ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत बनाई। टीम इंडिया ने जो काम इस मैच में कर दिखाया है,जो इससे पहले टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में कभी देखने को नहीं मिला। भारत ने ऐसा विश्व रिकॉर्ड रचा है, जिसकी बराबरी करना और उसे तोड़ना करीब करीब असंभव टाइप का होगा।

भारत के लिए टॉप 7 विकेटों के लिए हुई 50 से अधिक रनों की साझेदारी

टेस्ट क्रिकेट को करीब 149 साल हो गए



हैं। लेकिन टीम इंडिया ने भारत ने बनाम न्यूजीलैंड पहले टेस्ट में जो काम किया, वो इससे पहले कभी देखने को नहीं मिला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत के टॉप 7 जोड़ियों ने कम से कम 50 रनों की साझेदारी जरूर की है,कुछ पार्टनरशिप तो शतक से भी ज्यादा की हुई है। भारत ने टेस्ट क्रिकेट में इससे पहले एक पारी में आठ 50 रन से अधिक की साझेदारी की थी,लेकिन तब वे लगातार नहीं आई थी, लेकिन इस बार जो काम हुआ है, वो अनोखा और अद्भुत टाइप का है।

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने रखी भारतीय पारी की मजबूत नींव

टीम इंडिया जब वेलिंग्टन टेस्ट की पहली पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरी तो सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के बीच 130 रनों की साझेदारी देखने के लिए मिली। जायसवाल आउट हो गए तो तीसरे नंबर पर देवदत्त पडिक्कल बैटिंग के लिए आए। राहुल और पडिक्कल के बीच दूसरे विकेट के लिए 165 रनों की भागेदारी हुई। भारत की ओर से तीसरे विकेट लिए केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के बीच 91 रनों की साझेदारी हुई।

अंशुल कम्बोज और वॉशिंगटन सुंदर की भी अहम भूमिका

भारत की ओर से तीसरे विकेट के लिए कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत के बीच 100 रनों की साझेदारी देखने के लिए मिली। शुभमन गिल आउट हो गए तो अंशुल कम्बोज क्रीज पर आए। पंत और कम्बोज के बीच पांचवें विकेट के लिए 68 रनों की पार्टनरशिप हुई। ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल के बीच छठे विकेट के लिए 75 रनों की साझेदारी हुई। इसके बाद सातवें विकेट के लिए ध्रुव जुरेल और वॉशिंगटन सुंदर के बीच भी 54 रनों की भागेदारी हुई। अब ये एक विश्व कीर्तिमान बन गया है।

भारत ने पहली पारी 720 रन पर की घोषित,न्यूजीलैंड की टीम 233 रन पीछे

कप्तान शुभमन गिल ने भारत की पहली पारी 720 रन पर घोषित कर दी, तब तक भारत के 9 विकेट गिर चुके थे। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 368 रन बनाए थे। इस तरह से भारत को पहली ही पारी के आधार पर बड़ी लीड मिल गई। इसके बाद जब न्यूजीलैंड की दूसरी पारी शुरू हुई तो चौथे दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने 119 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। अभी भी टीम भारत के स्कोर से 233 रन पीछे है। अब देखना है तो पांचवें और आखिरी दिन टीम इंडिया न्यूजीलैंड के बीच हुए आठ विकेट कितनी देर में गिराती है,तभी भारत के पास जीतने का मौका बनेगा।



सचिन तेंदुलकर को मिला ग्लोबल पीस ऑनर्स 2026

सीएम फडणवीस ने किया सम्मानित

मुंबई,22 नवम्बर 2026। भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को उनके सामाजिक और परोपकारी कार्यों के लिए प्रतिष्ठित ग्लोबल पीस ऑनर्स 2026 से सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार रात मुंबई के ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया में आयोजित समारोह के दौरान तेंदुलकर को यह सम्मान प्रदान किया। क्रिकेट के मैदान पर अपनी असाधारण उपलब्धियों से दुनिया भर में पहचान बनाने वाले सचिन तेंदुलकर को इस बार खेल के माध्यम से समाज के वंचित वर्गों के बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।

सचिन तेंदुलकर को यह सम्मान उनके सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के माध्यम से किए जा रहे परोपकारी कार्यों के लिए दिया गया है। यह फाउंडेशन विशेष रूप से आदिवासी और वंचित समुदायों के बच्चों के बीच खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में काम करता है। फाउंडेशन की गतिविधियों में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। इस सम्मान के माध्यम से खेलों को सामाजिक विकास और समान अवसर उपलब्ध कराने का माध्यम बनाने के प्रयासों को पहचान मिली है।

गेटवे ऑफ इंडिया में आयोजित हुआ सम्मान समारोह

मुंबई के ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया में ग्लोबल पीस ऑनर्स 2026 समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को सम्मानित किया। गेटवे ऑफ इंडिया मुंबई के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों में शामिल है। इस स्थान पर आयोजित समारोह में तेंदुलकर को उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मान मिलना विशेष महत्व रखता है।

सचिन तेंदुलकर भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर में अनेक रिकॉर्ड स्थापित किए और भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नक्शे देखें हालांकि,इस बार उन्हें क्रिकेट के मैदान पर बनाए गए रिकॉर्ड के लिए नहीं,बल्कि समाज के जरूरतमंद बच्चों के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा प्रदान किया गया यह सम्मान तेंदुलकर के खेल से आगे बढ़कर सामाजिक क्षेत्र में किए जा रहे योगदान को रेखांकित करता है।

सचिन तेंदुलकर के फाउंडेशन के कार्यों को मिली पहचान

सचिन तेंदुलकर को ग्लोबल पीस ऑनर्स 2026 प्रदान किए जाने का प्रमुख आधार उनके फाउंडेशन के माध्यम से किए जा रहे परोपकारी कार्य हैं। सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन आदिवासी और वंचित समुदायों के बच्चों को खेलों से जोड़ने की दिशा में काम करता है। इसका उद्देश्य ऐसे बच्चों के बीच खेलों को प्रोत्साहित करना है,जिन्हें सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के कारण पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। खेल बच्चों के शारीरिक विकास के साथ उनके आत्म विश्वास,अनुशासन और सामूहिक भावना को विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वंचित समुदायों के बच्चों के लिए खेलों में भागीदारी के अवसर उपलब्ध होना उनके समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण माना जाता है। सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के माध्यम से किए जा रहे प्रयास इसी उद्देश्य से जुड़े हुए हैं। फाउंडेशन बच्चों को खेलों से जोड़ने और उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

ऑस्ट्रेलिया स्टार ऑलआउंडर हाथ टूटने के कारण हुआ बाहर

मेलबर्न,22 नवम्बर 2026। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंग्लैंड की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले टी20 आई मुकाबले में मिली हार के बाद टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर विल जैक्स चोट के कारण बाकी बचे ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गए हैं। उनका दायां हाथ टूट गया है, जिसके चलते उन्हें बीच दौरे से ही स्वदेश लौटना पड़ेगा।



पहले टी 20 आई मैच के दौरान टूटा था हाथ

28 साल के विल जैक्स को यह चोट मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए पहले टी 20 इंटरनेशनल मुकाबले के दौरान लगी। मैच के आखिरी ओवरों में बेन ड्वारशुइस की गेंद पर उन्होंने कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ में लग गई। यह पारी का 19वां ओवर था और जैक्स इस ओवर की चार गेंदें खेलने के बाद चोटिल हो गए। उनके दाएं हाथ से खून भी निकलने लगा,जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। जांच में उनके हाथ में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। इसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने उन्हें बाकी दौरे से बाहर करने का फैसला किया। जैक्स के बाहर होने से टीम को न सिर्फ एक अहम ऑलराउंडर की कमी खलेगी,बल्कि कप्तानी को लेकर भी उसकी योजनाओं में बदलाव करना पड़ा है।

टॉम बैंटन संभालेंगे इंग्लैंड की कप्तानी

विल जैक्स को ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांचवें और आखिरी टी20 आई मुकाबले में इंग्लैंड की कप्तानी करनी थी। नियमित कप्तान हैरी ब्रूक साउथ अफ्रीका दौरे की तैयारी के लिए पहले ही ऑस्ट्रेलिया छोड़ने वाले हैं। ऐसे में जैक्स को टीम की कमान सौंपी जानी थी। लेकिन चोट ने उनका यह इंतजार भी बढ़ा दिया। अब उनकी जगह टॉम बैंटन टीम की कप्तानी करेंगे। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांचवां और आखिरी टी 20 आई मुकाबला 2 दिसंबर को कैनबरा में खेला जाएगा।

दूसरे टेस्ट के लिए बदला साउथ अफ्रीका का कप्तान

प्लेइंग इलेवन भी 2 बड़े बदलाव

सेंचुरियन,22 नवम्बर 2026। साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच सेंचुरियन में 23 नवंबर से दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस मैच से एक दिन पहले ही साउथ अफ्रीका ने अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है। बांग्लादेश की टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर है और 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने में व्यस्त है। पहले टेस्ट में मेजबान साउथ अफ्रीका ने 9 विकेट से धमाकेदार जीत दर्ज की थी। अब दूसरे टेस्ट का 23 नवंबर से सेंचुरियन में आगाज होना है। दूसरे टेस्ट मैच से एक दिन पहले साउथ अफ्रीका ने बड़ा ऐलान किया है। साउथ अफ्रीकी टीम ने सेंचुरियन टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। प्लेइंग इलेवन में 2 बड़े बदलाव किए गए हैं।

CMYK

संविधान दिवस पर रायपुर में कांग्रेस का मार्च

26 नवंबर को गांधी मैदान से अंबेडकर चौक तक निकलेगी यात्रा, भूपेश-सिंहदेव समेत बड़े नेता होंगे शामिल

रायपुर,22 नवम्बर 2026। कांग्रेस 26 नवंबर को संविधान दिवस के मौके पर रायपुर में संविधान रक्षा मार्च निकालेगी। 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत होने वाले इस मार्च में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। यात्रा सुबह 11 बजे गांधी मैदान से शुरू होकर अंबेडकर चौक तक जाएगी। इस मार्च में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। कांग्रेस की ओर से जारी सूचना में पार्टी पदाधिकारियों, इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों, सामाजिक संगठनों और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ आम लोगों से भी मार्च में शामिल होने की अपील की गई है। पार्टी ने कार्यकर्ताओं से ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की है।



छत्तीसगढ़ में पटवारियों की 40 दिन से जारी हड़ताल स्थगित

सीएम से मुलाकात के बाद फैसला,कांग्रेस बोली...डरा-धमकाकर आंदोलन खत्म कराया

रायपुर,22 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ में पटवारियों की 40 दिन से जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात के बाद राजस्व पटवारी संघ ने आंदोलन खत्म करने का फैसला लिया। संघ के प्रांताध्यक्ष ने हड़ताल स्थगित करने संबंधी पत्र भी जारी किया है। पटवारी 13 अक्टूबर से पीवी ऐप की तकनीकी खामियां दूर करने की मांग को लेकर हड़ताल पर थे।

इससे राजस्व विभाग के कामकाज प्रभावित हो रहे थे। अब पटवारियों के काम पर लौटने से आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं, कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय का कहना है कि भाजपा सरकार डराने-धमकाने और नौकरी से निकालने की धमकी देकर दबावपूर्ण तरीके से पटवारियों की हड़ताल खत्म करा रही है।

पीवी ऐप की खामियों को लेकर शुरू किया था आंदोलन : राजस्व पटवारी संघ लंबे समय से पीवी ऐप की तकनीकी और व्यावहारिक खामियां दूर करने की मांग कर रहा था। पटवारियों का कहना था कि ऐप में आ रही दिक्कतों से मैदानी स्तर पर काम करने में परेशानी हो रही है। इन खामियों को दूर करने की मांग को लेकर पटवारियों ने 13 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की थी।



सीएम साय ने कमेटी बनाकर मांगों पर कार्रवाई के निर्देश दिए

पटवारी संघ की ओर से भागवत कश्यप ने कहा कि 'हमने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी सभी मांगें उनके सामने रखीं। उन्होंने कमेटी बनाकर उन पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। तूफान से किसानों को भी नुकसान हुआ है। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए फिलहाल आंदोलन स्थगित कर रहे हैं।' कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि पटवारी अपनी जायज मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे थे। शासन के कामकाज में पटवारियों की अहम भूमिका है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या पटवारियों की सभी मांगें पूरी कर दी गई हैं या सिर्फ दिलासा देकर दबाव बनाकर आंदोलन खत्म कराया गया है।

राजस्व के कामकाज पर पड़ा असर

करीब 40 दिनों तक चली हड़ताल से राजस्व विभाग का कामकाज प्रभावित हुआ। जमीन से जुड़े दस्तावेज, नामांतरण, सीमांकन और अन्य राजस्व सेवाओं के काम अटक गए। इसके चलते आम लोगों को अपने काम के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़े।

सीएम से मुलाकात के बाद लिया फैसला

हड़ताल खत्म करने को लेकर पटवारी संघ के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। इस दौरान अपनी मांगों और पीवी ऐप से जुड़ी समस्याओं को रखा। मुलाकात के बाद संघ ने फिलहाल हड़ताल स्थगित करने का निर्णय लिया। प्रांताध्यक्ष की ओर से जारी पत्र में इसकी जानकारी दी गई है। हड़ताल स्थगित होने से पटवारियों के काम पर लौटने का रास्ता साफ हो गया है। इससे लंबित राजस्व प्रकरणों के निपटारे में तेजी आने और आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, पीवी ऐप की तकनीकी खामियों को दूर करने और संघ की अन्य मांगों पर आगे क्या कार्रवाई होगी, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने धरसींवा विधानसभा क्षेत्र को दी 27.53 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

गांवों के विकास और किसानों की समृद्धि से ही विकसित छत्तीसगढ़ का सपना होगा साकार : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,22 नवम्बर 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर जिले के धरसींवा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चरौदा में आयोजित कार्यक्रम में 27 करोड़ 53 लाख 87 हजार रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को महत्वपूर्ण सौगात दी। इन कार्यों से क्षेत्र में सिंचाई, सड़क, विद्युत और ग्रामीण अधोसंरचना सुविधाओं का विस्तार होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक मुक्तेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शेड निर्माण एवं पेवर ब्लॉक कार्य तथा ग्राम चरौदा में नवीन मंगल भवन निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने विधायक अनुज शर्मा के नेतृत्व में धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के सभी 144 गांवों तक पहुंचने वाली सेवा संवाद यात्रा का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद रणविजय सिंह जूदेव सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों का विकास और किसानों की समृद्धि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आज धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में 27 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएं मिलेंगी,ग्रामीण सड़कों का विस्तार होगा तथा बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार श्सबका साथ,सबका विकास,सबका विश्वास के मूलमंत्र के साथ समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही हैं। हमारा प्रयास है कि शासन की योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी को पूरा करने और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का लक्ष्य लेकर कार्य प्रारंभ किया था। सरकार ने अपनी पहली ही कैबिनेट बैठक में प्रदेश के 18 लाख परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने का निर्णय लिया। गरीब परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के साथ ही किसानों, महिलाओं, युवाओं और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलताएं मिली हैं। बस्तर के जिन दूरस्थ क्षेत्रों में कभी विकास कार्यों को पहुंचाना चुनौतीपूर्ण था, वहां अब सड़क,बिजली,पेयजल, शिक्षा और आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के हर गांव और हर अंचल तक विकास पहुंचे तथा सभी नागरिकों को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। मुख्यमंत्री साय ने विधायक अनुज शर्मा के नेतृत्व में प्रारंभ की गई सेवा संवाद यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों का जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को समझना बहुत महत्वपूर्ण है। ग्राम चरौदा से शुरू हुई यह यात्रा धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के सभी 144 गांवों तक पहुंचेगी। इसके माध्यम से ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उनका लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचे। सेवा संवाद यात्रा इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री साय ने धरसींवा विधायक अनुज शर्मा की मांग पर ग्राम चरौदा के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने ऐतिहासिक मुक्तेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शेड निर्माण एवं पेवर ब्लॉक कार्य कराए जाने की घोषणा की।



सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से किसानों को मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में जल संसाधन विभाग के अंतर्गत 9 करोड़ 87 लाख 48 हजार रुपए तथा जल संसाधन विभाग, तिल्दा के अंतर्गत 4 करोड़ 10 लाख 17 हजार रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस प्रकार सिंचाई से संबंधित कार्यों पर कुल 13 करोड़ 97 लाख 65 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे। इन कार्यों से क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा और किसानों को खेती-किसानी के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

सड़क,बिजली और ग्रामीण अधोसंरचना को मिलेगी मजबूती

मुख्यमंत्री साय ने लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 4 करोड़ 56 लाख 86 हजार रुपए की लागत के विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया। इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क अधोसंरचना मजबूत होगी तथा लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसी प्रकार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत 2 करोड़ 20 लाख 19 हजार रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होने के साथ महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास से जुड़ी गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) के अंतर्गत 6 करोड़ 79 लाख 17 हजार रुपए की लागत के विद्युत विकास कार्यों का भी भूमिपूजन किया। इन कार्यों से क्षेत्र की विद्युत अधोसंरचना मजबूत होगी और ग्रामीणों तथा किसानों को बेहतर विद्युत सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सिंचाई,सड़क,बिजली और सामुदायिक सुविधाओं का विकास ग्रामीणों के जीवन को आसान बनाने के साथ आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज भूमिपूजन किए गए विकास कार्यों और नई घोषणाओं से धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी तथा क्षेत्रवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

2000 के लिए 70 साल की बुजुर्ग महिला की हत्या...आरोपी ने हाथ,पत्नी ने पैर पकड़े, रस्सी से घोंटा गला,दोस्त देता रहा पहरा



कोरबा,22 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के कोरबा के ग्राम लाद में महज 2 हजार रुपए के लिए 70 साल की बुजुर्ग महिला की गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात को उसके घर में गाय चराने वाला इंद्रपाल अगरिया, उसकी पत्नी राजकुमारी और दोस्त देव कुमार ने मिलकर अंजाम दिया। वारदात के समय चरवाहे ने बुजुर्ग महिला के हाथ पकड़े। पत्नी ने महिला के मुंह में कपड़ा ठूंसकर पैर पकड़ लिए। जबकि दोस्त को घर के बाहर निगरानी के लिए खड़ा कर दिया। इसके बाद दोनों ने घर में रखी नायलॉन रस्सी से उसका गला घोंट दिया। वारदात के बाद बैग में रखे 2000 रुपए लेकर फरार हो गए। पुलिस ने हत्या का खुलासा कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला कोरबी चौकी क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, भगमतिया बाई (70) सड़क किनारे बने अपने मकान में अकेली रहती थी। उसका बेटा बबलू मरकाम और बहू पास के दूसरे मकान में रहते हैं। 19 नवंबर की रात भगमतिया बाई घर में सो रही थी।

बहू सुबह पहुंची तो चारपाई पर मिला शव

20 नवंबर की सुबह बहू रोज की तरह सास के घर पहुंची। दरवाजा खुला हुआ था। अंदर जाकर देखा तो भगमतिया बाई चारपाई पर मृत पड़ी थी। उसके मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था और गले में नायलॉन की रस्सी बंधी थी। यह देखकर बहू घबरा गई और शोर मचाने लगी। आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मृतका के बेटे बबलू मरकाम ने 20 नवंबर को कोरबी चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने डॉग स्क्वायड की मदद भी ली। खोजी कुत्ता घटनास्थल के बाद बाघा गांव के तालाब तक पहुंचा, लेकिन बारिश के कारण आगे के सुराग नहीं मिल सके।

गाय चराने वाले पर हुआ शक

जांच के दौरान पुलिस को मृतका के घर में गाय चराने का काम करने वाले इंद्रपाल अगरिया (43) पर शक हुआ। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने पत्नी राजकुमारी अगरिया (33) और दोस्त देव कुमार मरकाम (26) के साथ मिलकर हत्या करना कबूल कर लिया।

रायपुर सेंट्रल जेल में बंदियों को हुनरमंद बनाने की पहल...

70 बंदियों को कंप्यूटर-ब्यूटी पार्लर की ट्रेनिंग रिहाई के बाद मिलेगा रोजगार का मौका

रायपुर,22 नवम्बर 2026। रायपुर की सेंट्रल जेल में बंद 70 कैदियों को अब कंप्यूटर चलाने और ब्यूटी पार्लर का काम करने का हुनर मिलेगा। बंदियों के पुनर्वास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए जेल में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। रविवार को प्रशिक्षण पूरा होने पर सभी 70 बंदियों को प्रमाण-पत्र दिए गए। इनमें 40 पुरुष बंदियों ने कंप्यूटर और 30 महिला बंदियों ने असिस्टेंट हेयर ड्रेसर (एडवांस) यानी ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण लिया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के जन शिक्षण संस्थान निदेशालय और छत्तीसगढ़ जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं विभाग के संयुक्त तत्वावधान में चलाया गया।

40 पुरुष बंदियों ने सीखा कंप्यूटर चलाना : पुरुष बंदियों को 'कोर्स ऑन कंप्यूटर कॉन्सेप्ट' के तहत प्रशिक्षण दिया गया। इसमें कंप्यूटर से जुड़ी बुनियादी जानकारी और उसके इस्तेमाल की ट्रेनिंग शामिल रही। इसका उद्देश्य बंदियों को डिजिटल साक्षर बनाना और रिहाई के बाद रोजगार या स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है।



30 महिला बंदियों को ब्यूटी पार्लर की ट्रेनिंग : महिला बंदियों को असिस्टेंट हेयर ड्रेसर (एडवांस) के तहत ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण दिया गया। इस कोर्स के जरिए उन्हें हेयर ड्रेसिंग और ब्यूटी पार्लर से जुड़े कामों में दक्ष बनाने की पहल की गई है, ताकि जेल से बाहर आने के बाद वे इस हुनर के जरिए कमाई कर सकें।

रिश्वतखोर जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर आंचल गिरी सस्पेंड

रायपुर,22 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के कोरबा में रिश्वतखोरी मामले में गिरफ्तार जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर आंचल गिरी पर निलबंन की गाज गिरी है।

आंचल गिरी पर कबाड़ी कारोबारी से गाड़ी छोड़ने के एवज में डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है। शिकायत परएसीबी की टीम ने शनिवार को उसे रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। अब छत्तीसगढ़ राज्य कर आयुक्त ने निलंबन कार्रवाई के संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक, आंचल गिरी द्वारा ड्यूटी के दौरान रिश्वत की मांग करने को विभाग ने गंभीर लापरवाही माना है।

रामायण पाठ में भजन गाने जा रहे 3 की मौत

तेज रफ्तार बस ने बाइक को मारी टक्कर,एक ही गांव के रहने वाले थे

सक्ती,22 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में तेज रफ्तार यात्री बस ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों एक ही गांव के रहने वाले थे और सपोस में आयोजित रामनाम सप्ताह में भजन गाने जा रहे थे। हादसा डभरा-चंद्रपुर मार्ग पर रविवार को हुआ। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मृतकों में ये शामिल : हरिशंकर चौहान (40),मोहरदास बैरागी (55), शेतकुमार पटेल (62)।

रामनाम सप्ताह में भजन गाने जा रहे थे : जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह ग्राम दर्री के हरिशंकर चौहान (40), मोहरदास बैरागी (55) और शेतकुमार पटेल (62) एक ही बाइक पर सवार होकर सपोस में आयोजित रामनाम सप्ताह कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। वे वहां गायन प्रस्तुति देने वाले थे।



बस ने बाइक को मारी टक्कर : इसी दौरान छवारिपाली पेट्रोल पंप के पास रायपुर से डभरा की ओर जा रही मुस्कान यात्री बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों बाइक से उछलकर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मौके पर पहुंची पुलिस

हादसे की सूचना मिलते ही डभरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों के शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस बस ड्राइवर की भूमिका और हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

एक साथ तीन मौतों से गांव में शोक

एक ही गांव के तीन लोगों की मौत से दर्री और आसपास के गांवों में शोक का माहौल है। तीनों धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर से निकले थे।

राष्ट्रपति स्काउट-गाइड बनने की राह में 104 प्रतिभागियों की कड़ी परीक्षा

खोडरी में पांच दिवसीय राज्य स्तरीय शिविर शुरू,सफल अभ्यर्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर सीबीटी देनी होगी,शीर्ष 120 को मिलेगा राष्ट्रपति प्रमाण-पत्र

बिलासपुर,22 नवम्बर 2026। राष्ट्रपति स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर प्रमाण-पत्र हासिल करने की राह आसान नहीं है। इसके लिए प्रतिभागियों को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना और व्यावहारिक दक्षता की कसौटी पर खरा उतरना होगा। इसी उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य मुख्यालय द्वारा राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में पांच दिवसीय राज्य स्तरीय परीक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। 19 से 23 नवंबर तक खोडरी स्थित राज्य प्रशिक्षण केंद्र में चल रहे इस शिविर में तीन राज्यों के 104 प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। शिविर का शुभारंभ 19 नवंबर को रेलवे भर्ती बोर्ड बिलासपुर के अध्यक्ष एवं राज्य मुख्य आयुक्त पीयूष गुप्ता तथा राज्य सचिव एवं मंडल कार्मिक अधिकारी यू. शिव शंकर राव की उपस्थिति में हुआ। अतिथियों ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए पूरे उत्साह और समर्पण के साथ परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्हें कार्ड नंबर और टेस्ट कार्ड भी प्रदान किए गए।



तीन राज्यों के प्रतिभागी, 8 परीक्षक ले रहे परीक्षा : शिविर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 70, छत्तीसगढ़ के 28 और मध्य प्रदेश के 6 प्रतिभागी शामिल हैं। इनमें 13 स्काउट्स, 39 गाइड्स, 30 रोवर्स और 22 रेंजर्स हैं। राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा नामित ऑब्जर्वर सहित आठ अधिकृत परीक्षक निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रतिभागियों की सैद्धांतिक और व्यावहारिक दक्षता परख रहे हैं। नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, संगठनात्मक कौशल और सेवा भावना भी मूल्यांकन का हिस्सा है।

अगले चरण में होगी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा : राज्य स्तरीय परीक्षण में सफल प्रतिभागियों को राष्ट्रीय मुख्यालय की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) में शामिल होना होगा। अखिल भारतीय स्तर पर चयनित शीर्ष 120 उम्मीदवारों को राष्ट्रपति महोदया द्वारा राष्ट्रपति स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

दूसरे दिन अधिकारियों ने किया निरीक्षण : शिविर के दूसरे दिन राज्य आयुक्त (गाइड) एवं उप मुख्य संरक्षा अधिकारी शिवरंजनी पोपली वर्मा ने शिविर स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षण गतिविधियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा प्रतिभागियों से बातचीत कर उनका उत्साह बढ़ाया। शिविर का आयोजन राज्य मुख्य आयुक्त पीयूष गुप्ता के नेतृत्व में किया जा रहा है। आयोजन में जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह का विशेष सहयोग मिल रहा है। वहीं धीरेन्द्र कुमार सिंह, यू. शिव शंकर राव, शिवरंजनी पोपली वर्मा,अदिति दुबे और किशोर निखारे सहित अन्य पदाधिकारी व्यवस्थाओं में मार्गदर्शन दे रहे हैं। शिविर का समन्वय एवं संचालन राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) जी. लोकेश राव द्वारा राष्ट्रीय मुख्यालय के सहायक निदेशक महेंद्र शर्मा एवं रेलवे के अधिकारियों के साथ समन्वय से किया जा रहा है। यह शिविर केवल प्रमाण-पत्र हासिल करने की प्रक्रिया नहीं,बल्कि युवाओं में नेतृत्व, आत्मनिर्भरता,अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का भी अवसर है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)